दैनिक

साकार भारत

रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 99 पृष्ठ : 8 मुल्य: 5:00 रायपुर, रविवार 05 अप्रैल, 2026 www.sakarbharat.com

वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000 9770888888

वास्तु गुरुजी

रायपुर पहुंचे विदेश मंत्री एस. जयशंकर, IIM रायपुर के दीक्षांत समारोह में बने मुख्य अतिथि

रायपुर । छत्तीसगढ़ के रायपुर में आज एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आयोजन की गवाह बनने जा रही है। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर आज राजधानी पहुंचे हैं और इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट रायपुर के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उनका यह दौरा संक्षिप्त होने के बावजूद विशेष महत्व रखता है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर का मुख्य उद्देश्य छात्रों को उनके उज्वल भविष्य के लिए प्रेरित करना है। समारोह में वे विद्यार्थियों को संबोधित करेंगे और उन्हें शैक्षणिक और व्यावसायिक जीवन में सफलता के लिए मार्गदर्शन देंगे। IIM रायपुर के छात्र-छात्राएं अपनी मेहनत और उपलब्धियों का जश्न इस अवसर पर मनाएंगे। विदेश मंत्री के दौरे को लेकर प्रशासन और IIM रायपुर ने सुरक्षा और कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। कार्यक्रम स्थल पर विशेष सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं और आने-जाने के मार्गों को व्यवस्थित किया गया है। रायपुर। सूत्रों के अनुसार, भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर आज ही रायपुर से लौटेंगे। उनके वापसी कार्यक्रम के अनुसार, वे दोपहर 2 बजे निर्धारित फ्लाइट से रवाना होंगे। इस दौरे के दौरान उन्होंने राजधानी में आयोजित राष्ट्रीय महत्व के विभिन्न आयोजनों में भाग लिया, जो देश के उच्च पदस्थ अधिकारियों की सक्रिय उपस्थिति और कार्यक्रमों में रुचि को दर्शाता है। उनके इस संक्षिप्त लेकिन महत्वपूर्ण दौरे ने राज्य में प्रशासनिक और शैक्षिक क्षेत्रों में उत्साह और महत्वाकांक्षा को बढ़ावा दिया। इस अवसर पर स्थानीय अधिकारियों और छात्रों ने भी जयशंकर के आगमन और उनके विचारों का स्वागत किया। दौरे के दौरान किए गए संवाद और पहलों ने रायपुर और राज्य की छवि को राष्ट्रीय मंच पर उजागर करने में मदद की।

राज्यपाल रमेन डेका से रेडक्रॉस प्रतिनिधियों ने की सौहार्दपूर्ण भेंट

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका के आज सरायपाली प्रवास के दौरान रेडक्रास एवं एन सी सी के पदाधिकारियों ने भेंट की। कलेक्टर एवं पदेन अध्यक्ष विनय कुमार लंगेह एवं अनुपमा आनंद अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सरायपाली के दिशा-निर्देशन एवं सभापति संदीप दीवान (इंडिया रेडक्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा महासमुंद) के मार्गदर्शन तथा जिला संगठक डा अशोक गिरि गोस्वामी के नेतृत्व में भारतीय रेडक्रास सोसायटी ज़िला शाखा महासमुन्द अन्तर्गत पदाधिकारियों ने मुलाकात की।

सभी ने रेडक्रास गीत गाकर राज्यपाल का स्वागत किया। रेडक्रॉस काउंसलर्स एवं वालेंटियर्स की टीम ने राज्यपाल एवं पदेन अध्यक्ष इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी (राज्य शाखा, रायपुर) का स्वागत किया।

राज्यपाल ने किया पौध रोपण

इस अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका ने रेस्ट हाउस परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पीपल का पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स प्रतिवर्ष छत्तीसगढ़ में होंगे आयोजित

जनजातीय प्रतिभाओं के लिए ऐतिहासिक और यादगार मंच : सीएम विष्णुदेव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पंडित दीनदयाल आडिटोरियम रायपुर में आयोजित खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 10 दिनों में छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर जो जोश और ऊर्जा देखने को मिली, उसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन देश की आदिवासी प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करने और उनकी खेल क्षमता को सामने लाने का अनूठा अवसर साबित हुआ है।

मुख्यमंत्री साय ने अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके विजन और मार्गदर्शन के कारण छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी का गौरव प्राप्त हुआ। साथ ही केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के निरंतर सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से छत्तीसगढ़ आज देश के खेल मानचित्र में प्रमुख स्थान पर स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा कि अब यह गेम्स प्रतिवर्ष छत्तीसगढ़ में आयोजित किए जाएंगे, जो राज्य के लिए गर्व का विषय है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जनजातीय समाज और खेल का रिश्ता सदियों पुराना है। तीरंदाजी, दौड़ और कुश्ती जैसे खेल जनजातीय जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। उन्होंने स्वयं के जनजातीय पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए कहा कि जनजातीय समाज में अपार ऊर्जा और प्रतिभा निहित है, जिसे सही मंच मिलने पर देश-विदेश में पहचान मिल सकती है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि देश की एकता, संस्कृति और कौशल का महाकुंभ बनकर उभरा है। देशभर के 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के जनजातीय खिलाड़ियों ने इसमें भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह आयोजन आदिवासी युवाओं को सशक्त बनाने और खेलों को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि खिलाड़ियों ने केवल जीत के लिए नहीं, बल्कि साहस और उत्कृष्टता की नई कहानियां रचने के लिए प्रतिस्पर्धा की है। उन्होंने यह साबित किया है कि प्रतिभा केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं, बल्कि बस्तर, सरगुजा, झारखंड और पूर्वोत्तर के दूरस्थ क्षेत्रों में भी भरपूर है।

समारोह में मुख्यमंत्री साय ने पदक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले कर्नाटक, द्वितीय स्थान ओडिशा और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले झारखंड के खिलाड़ियों को बधाई दी। साथ ही छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ ने कुल 19 पदक (03 स्वर्ण, 10 रजत और 06 कांस्य) हासिल किए हैं। उन्होंने खिलाड़ियों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि स्विमिंग में अनुष्का भगत ने 4 रजत पदक जीते, निखिल खलखो और न्यासा पैकरा ने भी पदक जीतकर राज्य का नाम रोशन किया। एथलेटिक्स में सिद्धार्थ नागेश ने स्वर्ण और रजत पदक जीते, वहीं अन्य खिलाड़ियों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

ग्रैंड ग्रुप के चेयरमैन गुरुचरण सिंह होरा ने 65वें जन्मदिन मनाया

सबसे पहले देवेंद्र नगर गुरुद्वारा पहुंचकर टेका मत्था, प्रदेश की खुशहाली की कामना की

रायपुर। छत्तीसगढ़ टेनिस संघ के महासचिव व ग्रैंड ग्रुप के चेयरमैन गुरुचरण सिंह होरा आज अपना 65वां जन्मदिन बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मना रहे हैं। इस खास मौके पर चेयरमैन होरा ने अपने जन्मदिन की शुरुआत उन्होंने देवेंद्र नगर स्थित गुरुद्वारा में मत्था टेककर की, जहां उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और निरंतर विकास के लिए अरदास की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वाहेगुरु की कृपा और जनसहयोग से ही जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने सभी के स्वस्थ जीवन और उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की।

गुरुद्वारा में अरदास के बाद उन्होंने कहा कि वाहेगुरु की कृपा और जनसहयोग से ही जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने सभी के स्वस्थ जीवन और उज्ज्वल भविष्य की भी प्रार्थना की। जन्मदिन के मौके पर उनके समर्थकों, मित्रों, सामाजिक एवं खेल जगत से जुड़े लोगों ने उन्हें बधाइयां दीं। कई स्थानों पर उनके सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां केक काटकर उनका जन्मदिन मनाया गया।

संकट मोचन हनुमान मंदिर में धूमधाम से मनाया 65वें जन्मदिन, महाआरती के बाद भंडारे का आयोजन

रायपुर। छत्तीसगढ़ टेनिस संघ के महासचिव एवं ग्रैंड ग्रुप के चेयरमैन गुरुचरण सिंह होरा का 65वां जन्मदिन इस वर्ष पूरे उत्साह, गरिमा और भव्यता के साथ मनाया गया। राजधानी रायपुर सहित प्रदेशभर में उनके समर्थकों, शुभचिंतकों और सामाजिक संगठनों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे पूरे दिन जश्न का माहौल बना रहा। सुबह से ही उन्हें जन्मदिन की बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। वहीं इस विशेष अवसर पर रायपुर रेलवे स्टेशन परिसर में स्थित सर्वधर्म हनुमान मंदिर परिसर में भव्य आयोजन किया गया, जहां श्री होरा ने विधिवत पूजा-अर्चना कर महाआरती की और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। इसके बाद उन्होंने केक काटकर अपना जन्मदिन मनाया, इस मौके पर श्री होरा ने लोगों को प्रसादी वितरण भी किया। जिसमें बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर श्री होरा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके स्वस्थ, दीर्घायु एवं निरंतर सफल जीवन की कामना की। पूरा माहौल उल्लास, आत्मीयता और सम्मान से भरा हुआ नजर आया।

इस अवसर पर श्री होरा ने आयोजन को सफल बनाने के लिए समाजसेवी कुबेर राठी, राजकुमार राठी, अंकित राठी, कमलेश यादव, कुणाल राठी सहित सभी सहयोगियों और कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि साथियों का यह स्नेह और समर्थन ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है, जो उन्हें निरंतर समाज सेवा के लिए प्रेरित करता है।

होटल ग्रैंड इंपीरिया में गुरुचरणसिंह होरा ने अपना 65वां जन्मदिन मनाया

रायपुर में ग्रैंड ग्रुप के चेयरमैन गुरुचरण सिंह होरा ने अपना 65वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया। होटल ग्रैंड इंपीरिया में आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में समर्थक, जनप्रतिनिधि और खेल जगत से जुड़े लोग शामिल हुए। इस अवसर पर रक्तदान शिविर और निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। परिवार सहित स्वयं होरा ने भी रक्तदान कर समाजसेवा का संदेश दिया। उन्होंने सभी का आभार व्यक्त करते हुए समाज सेवा और खेलों के विकास के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया। केबल ऑपरेटरों के लिए प्रीमियम पैकेज में छूट की घोषणा भी की गई।

यूनियन क्लब में सजी जश्न की महफिल, गुरुचरण सिंह होरा ने मनाया अपना जन्मदिन

रायपुर। छत्तीसगढ़ टेनिस संघ के प्रदेश महासचिव व ग्रैंड ग्रुप के चेयरमैन गुरुचरण सिंह होरा का 65वां जन्मदिन 3 अप्रैल को बड़े ही धूमधाम से मनाया जा रहा है। सुबह से ही उनके निवास पर शुभचिंतकों का तांता लगा रहा, जहां लोगों ने पहुंचकर उन्हें जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं दीं। वहीं, श्री होरा ने मोतीबाग स्थित यूनियन क्लब में केक काटकर अपना जन्मदिन मनाया। इस दौरान बड़ी संख्या में खेल जगत से जुड़े पदाधिकारी, व्यवसाई और राजनीतिक क्षेत्र के लोग उपस्थित रहे। सभी ने उन्हें दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर श्री होरा ने अपने बड़े भाई दिलेर सिंह होरा का आशीर्वाद भी लिया।

श्री होरा ने सभी शुभचिंतकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 'आप सभी का स्नेह और आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी है। मैं हमेशा समाज, खेल और प्रदेश के विकास के लिए समर्पित रहूंगा।'

जन्मदिन के मौके पर डॉ ए फरिश्ता, विजय अग्रवाल, जी एस भांबरा, संजय मिश्रा, राजेश वासवानी समेत बड़ी संख्या में टेनिस संघ, यूनियन क्लब और अन्य खेल से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारी और खिलाड़ी मौजूद रहे। सभी ने गुरुचरण सिंह होरा जी को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके दिर्घायु की कामना की।

कलेक्टर ने अरमरीकला में सोख्ता गड्ढा के निर्माण में किया श्रमदान

बालोद । जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में शामिल होने के लिए गुरूर विकासखण्ड के ग्राम अरमरीकला पहुँचने पर संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर, कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा, अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक एवं जिला प्रशासन के आला अधिकारियों ने दुर्गा माता चैक में जल संरक्षण अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के हितग्राही लखनलाल निषाद एवं डामनलाल गंधर्व के घर में निर्मित किए जा रहे सोख्ता गड्ढा निर्माण के कार्य में श्रमदान कर आम नागरिकों को सुरक्षित भविष्य के लिए जल संरक्षण के उपाय सुनिश्चित करने का संदेश दिया।

इस दौरान संभागायुक्त एवं कलेक्टर ने अधिकारियों के साथ अरमरीकला से डांडेसरा मार्ग की साफ-सफाई कर स्वच्छ भारत मिशन के कार्य में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा एवं जिला प्रशासन के आला अधिकारियों के एक साथ बस में सवार होकर ग्राम अरमरीकला पहुँचने पर ग्रामीणों एवं स्व सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा आत्मीय अभिनंदन एवं स्वागत किया गया। इस दौरान महिलाओं ने जल संरक्षण के उपायों के संबंध में नारे लगाकर तथा स्लोगन प्रदर्शित कर आम नागरिकों को इस महत्वपूर्ण कार्य में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का संदेश भी दिया। ग्राम अरमरीकला पहुँचने के पश्चात कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा, अपर कलेक्टर चंद्रकांत कौशिक एवं अन्य अधिकारियों ने सर्वप्रथम दुर्गा माता की पूजा-अर्चना कर बालोद जिले की सुख समृद्धि की कामना की। इस दौरान मंगल भवन अटल चैक के पास स्वच्छताग्राहियों के साथ स्वच्छता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

इस मौके पर स्वच्छताग्राही दीदियों एवं स्व सहायता समूह की महिलाओं ने नीर चेतना अभियान अंतर्गत जल संचय, जल बचाओ अभियान के तहत दुर्गा मंदिर से शिविर स्थल तक रैली निकालकर जल संचय एवं जन भागीदारी एवं स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का संदेश दिया। इस मौके पर संयुक्त कलेक्टर श्रीमती मधुहर्ष, एसडीएम आरके सोनकर, डिप्टी कलेक्टर प्राची ठाकुर सहित अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, ग्रामीण एवं बड़ी संख्या में स्व सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित थी।

'मया देदे मयारू 2' के साथ स्कूटर जीतने का मौका

महा बंपर ड्रा में मिलेंगी 11 चमचमाती स्कूटर

रायपुर। छत्तीसगढ़ी फिल्म मया देदे मयारू 2 के रिलीज के साथ दर्शकों, खासकर महिला दर्शकों के लिए एक खास ऑफर सामने आया है। 10 अप्रैल से प्रदेशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही इस फिल्म को देखने वाली महिलाओं को चमचमाती स्कूटर जीतने का सुनहरा मौका मिलेगा।जानकारी के अनुसार, 10 अप्रैल को फिल्म के चारों शो देखने वाली महिला दर्शकों के टिकट कूपन के आधार पर 11 अप्रैल को लकी ड्रा निकाला जाएगा, जिसमें एक भाग्यशाली विजेता को स्कूटर दी जाएगी। इसी तरह 11 और 12 अप्रैल के शो देखने वाली महिला दर्शकों के लिए 13 अप्रैल को फिर लकी ड्रा होगा, जिसमें एक और स्कूटर दी जाएगी। खास बात यह है कि इन ड्रॉ में पिछले दिनों के टिकट कूपन भी शामिल रहेंगे, जिससे जीतने के मौके बढ़ जाते हैं।

इसके अलावा 13 से 16 अप्रैल तक फिल्म देखने वाली महिला दर्शकों के लिए 17 अप्रैल की सुबह 10 बजे एक और लकी ड्रा आयोजित किया जाएगा। इसमें भी भाग्यशाली महिला को स्कूटर दी जाएगी और इसमें पहले के सभी टिकट कूपन मान्य होंगे। इसलिए दर्शकों को अपने टिकट सुरक्षित रखने की सलाह दी गई है।

कलेक्टर ने मर्दापाल क्षेत्र के स्वास्थ्य केन्द्रों व छात्रावास का किया निरीक्षण

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना ने बुधवार को मर्दापाल तहसील अंतर्गत स्वास्थ्य केन्द्रों एवं आश्रम छात्रावासों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्रामीण अंचलों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने ग्राम चेमा स्थित उप स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचकर वहां उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली तथा भवन के मरम्मत कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए। साथ ही क्षेत्र में उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं (एचआरपी) की प्राथमिकता से नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण कर भवन को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित रखने तथा भोजन निर्माण के लिए गैस सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके पश्चात कलेक्टर ने लखापुरी स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण कर आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता की समीक्षा की तथा हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की सूची का अवलोकन किया। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया कि सभी गर्भवती महिलाओं का समय पर एएनसी पंजीयन सुनिश्चित किया जाए।

भीषण गर्मी में लू से बचाव हेतु आवश्यक उपाय अपनाने हेतु किया गया आग्रह

कोरबा। ग्रीष्म कालीन मौसम प्रारंभ होने पर तथा अधिक गर्मी पड़ने से शुष्क वातावरण में लू (तापाघात) की संभावना अधिक होती है। जो घातक या जानलेवा हो सकती है। जिले में बढ़ रही गर्मी को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लू से बचाव हेतु आवश्यक उपाय अपनाने के लिए एडवाइजरी जारी की है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि जिले में लगातार मौसम परिवर्तन के बाद तेज धूप एवं गर्मी प्रारंभ हो गया है। जिसके कारण लू लगने की संभावना बढ़ गई है। सूर्य की तेज गर्मी के दुष्प्रभाव से शरीर के तापमान में विपरीत प्रभाव पड़ता है जिससे शरीर में पानी और खनिज लवण नमक की कमी हो जाती है इसे लू लगना या हीट-स्ट्रोक कहा जाता है। वर्तमान में घर से बाहर जाकर ऑफिस वर्क करने वाले, खेती कार्य मे लगे आमजन तथा बाजार में खरीददारी आदि कार्य करने वाले व्यक्ति पर्याप्त मात्रा में पानी एवं पेय पदार्थो का सेवन नहीं कर पाते हैं। इस कारण वे निर्जलीकरण के शिकार हो जाते हैं, जिसका समय पर उपचार ना मिलने के कारण मरीज की हालत गंभीर हो जाती है।

लू से बचाव हेतु आवश्यक उपाय -

आम लोगों के द्वारा आवश्यक उपाय अपनाकर लू (तापाघात) से बचाव किया जा सकता है। जिसके अंतर्गत गर्मी के दिनों में हमेशा घर से बाहर जाते समय सफेद, सूती या हल्के रंग के कपड़े पहनना, भोजन करके तथा पानी पीकर ही घर से बाहर निकलना, घर से बाहर जाते समय गर्दन के पिछले भाग कान एवं सिर को कपड़े/ गमछे से ढककर ही निकलना, छतरी एवं रंगीन चश्मे का प्रयोग करना, गर्मी के दिनों में अधिक मात्रा में पानी पिना तथा ज्यादातर पेय पदार्थों का सेवन करना सहित अन्य उपाय अपना सकते है। इसी प्रकार बाहर जाते समय पानी साथ रखें, धूप में बेवजह बाहर जाने से बचें, बच्चों बुजुर्गों व गर्भवती महिलाओं का विशेष ध्यान रखें, साथ ही उन्हें समय-समय पर पानी पीने के लिए प्रेरित करें एवं सुपाच्य भोजन एवं तरल पदार्थों का सेवन कराएं। गर्मी के दिनों में तीव्र धूप को घर के अंदर आने से रोकें तथा जहाँ तक संभव हो अधिक से अधिक समय तक धूप में रहकर व्यायाम तथा मेहनत का काम ना करें, धूप में नंगे पांव ना चलें। इन सावधानियों को अपनाकर स्वयं को लू (तापघात) से बचा जा सकता है।

लू का शिकार होने पर व्यक्ति में सिर दर्द, बुखार, उल्टी एवं अत्यधिक पसीना आना, बेहोशी, चक्कर आना, सांस फूलना, दिल की धड़कन तेज होना, कमजोरी महसूस होना, शरीर में ऐंठन तथा त्वचा लाल एवं सूखी होना जैसे अन्य लक्षण शामिल है।

लू से बचाव हेतु प्राथमिकी उपचार -

लू (तापाघात) होने पर रोगी को छायादार स्थान पर कपड़े गीले कर लिटायें एवं हवा करें। रोगी को बेहोशी की स्थिती में कोई भी भोज्य/पेय पदार्थ का सेवन नहीं कराएं एवं उसे तत्काल चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराएं। रोगी के होश में आने की स्थिति में उसे ठंडे पेय पदार्थ, जीवन रक्षक घोल, कच्चा आम का पना आदि पेय पदार्थों का सेवन कराएं। रोगी के शरीर के तापमान को कम करने के लिए उसके शरीर पर ठंडे पानी की पट्टियाँ रखें, प्रभावित व्यक्ति को शीघ्र ही नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र उपचार के लिए ले जाए।

सीएमएचओ ने बताया कि जिले के मेडिकल कॉलेज, सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा शहरी स्वास्थ्य केन्द्रों में लू (तापघात) से बचाव हेतु पर्याप्त मात्रा में आवश्यक जीवन रक्षक दवाइयां एवं ओ. आर. एस. की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है।

पिंक पेट्रोल की त्वरित कार्रवाईः नाबालिग से मारपीट करने वाला आरोपी मौके पर गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में पिंक पेट्रोलिंग टीम की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से मारपीट के एक गंभीर मामले में आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। घटना में घायल नाबालिग को तुरंत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई, जबकि सभी आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार, 3 अप्रैल को रायपुर पुलिस के पश्चिम जोन की पिंक पेट्रोल टीम नियमित गश्त पर थी। टीम प्रभारी निरुपमा सिंह अपने स्टाफ किशन साहू, दीपशिखा प्रधान और खिलेश्वर टंडन के साथ भाटागांव स्थित शीतला माता चौक के पास पेट्रोलिंग कर रही थीं। इसी दौरान वहां भीड़ देख टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया।

जांच में सामने आया कि 17 वर्षीय नाबालिग लड़के के साथ बाइक से जाते समय तीन युवकों ने विवाद कर मारपीट की थी। पिंक पेट्रोल टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया, जबकि दो अन्य आरोपी फरार हो गए।

आदिम जाति विकास विभाग के योजनाओं एवं नवीन व्यय प्रस्तावों की समीक्षा बैठक 6 को

रायपुर। आदिम जाति विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा 06 अप्रैल को सुबह 11 बजे से नया रायपुर स्थित आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभाकक्ष में विभागीय योजनाओं की प्रगति एवं वित्तीय प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से बैठक लेंगे।

बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 के मुख्य बजट में शामिल विभागीय योजनाओं, अपरीक्षित नवीन व्यय मद प्रस्तावों तथा विभिन्न विकास कार्यों की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। इसके अतिरिक्त विभाग द्वारा क्रय की गई सामग्रियों के मानकीकरण, दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों की जिला-वार स्थिति, आवंटित एवं व्यय राशि का विवरण तथा शेष भुगतान की स्थिति का भी परीक्षण किया जाएगा। आदिवासी संग्रहालय एवं शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय से प्राप्त आय एवं व्यय की जानकारी भी बैठक में प्रस्तुत की जाएगी।

बैठक में विभागीय भवन निर्माण कार्यों, प्रधानमंत्री जनमन योजना एवं धरती आबा योजना के अंतर्गत संचालित कार्यों की प्रगति तथा उनकी प्रशासकीय स्वीकृतियों की स्थिति की भी समीक्षा की जाएगी। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तावित नवीन व्यय मदों, विशेष रूप से राज्य अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम द्वारा लिए गए ऋणों के भुगतान से संबंधित योजनाओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

कांकेर-नारायणपुर सीमा पर 2 IED बरामदः सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन में निष्क्रिय किए

कांकेर। कांकेर-नारायणपुर सीमा पर सुरक्षाबलों ने कार्रवाई करते हुए दो इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस बरामद किए। मौके पर ही सुरक्षित तरीके से डिफ्यूज किया गया और नक्सलियों की बड़ी साजिश नाकाम किया गया।

यह सफलता कांकेर पुलिस और बीएसएफ की संयुक्त टीम को थाना परतापुर क्षेत्र अंतर्गत मुरूसुलनापा के जंगल-पहाड़ी इलाके में चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान मिली। जवानों को नक्सलियों की ओर से पहले से लगाए गए दो प्रेशर कुकर आईईडी मिले।

हर आईईडी का वजन लगभग 5 किलोग्राम बताया गया है। बरामद किए गए इन शक्तिशाली विस्फोटकों को बीएसएफ की बम निरोधक दस्ता (ब्ष्ठस्) टीम ने तुरंत मौके पर ही डिफ्यूज कर निष्क्रिय कर दिया।

कलेक्टर ने निर्माणाधीन सड़क और पुल का किया निरीक्षण

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने बुधवार को मर्दापाल तहसील अंतर्गत ग्राम अदनार एवं तोतर के मध्य निर्माणाधीन पुल का निरीक्षण किया। भंवरडींग नदी पर 234 मीटर लंबाई के इस पुल के निर्माण कार्य का जायजा लेते हुए कलेक्टर ने संबंधित एजेंसी को पुल किनारों की पिचिंग को सुदृढ़ करने तथा शेष कार्यों को वर्षा ऋतु से पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इससे पूर्व कलेक्टर ने मर्दापाल मुख्य मार्ग से चांगेर हंगवा तक निर्माणाधीन सड़क का भी निरीक्षण किया। लगभग 12.90 किलोमीटर लंबी इस सड़क के कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की तथा लोक निर्माण विभाग को कार्य में तेजी लाकर निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष अनीता कोर्राम, उपाध्यक्ष टोमेन्द्र ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य यशोदा कश्यप, जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता ए.आर. मरकाम, मर्दापाल तहसीलदार विजयप्रताप सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसमस्या निवारण शिविर में हितग्राहियों को किया लाभान्वित

गरियाबंद। गरियाबंद विकासखंड के अंतिम छोर स्थित घने जंगलों एवं दुर्गम क्षेत्र में बसे ग्राम आमामोरा के शासकीय आदिवासी छात्रावास परिसर में वर्षों उपरांत जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों से कुल 14 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें से सभी आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया। शिविर के दौरान सभी विभागों के अधिकारियों द्वारा शासन के महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए ग्रामीणों को लाभ उठाने की अपील की गई। शिविर में विभागीय स्टॉल लगाए गए थे। इसके अलावा स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया था। इस दौरान ग्रामीणों का स्वास्थ्य जांच कर उन्हें लाभान्वित किया गया।

इस दौरान बिन्द्रनवागढ़ विधायक जनक ध्रुव ने संबोधित करते हुए कहा कि इस क्षेत्र को जनप्रतिनिधि, शासन-प्रशासन एवं ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास से विकसित करेंगे। उन्होंने कहा कि आमामोरा क्षेत्र के आसपास के ग्रामीण काफी अभाव की जिंदगी जीने पर विवश थे। जिसे आने वाले समय में सभी मूलभूत सुविधाएं और अधिक मिलेगी। उन्होंने गाँवों में विद्युत की समस्या को देखते हुए कहा कि क्रेडा विभाग द्वारा लगाएं गए सौर ऊर्जा की केपेसिटी में बढ़ोत्तरी करें ताकि ग्रामीणों को और अधिक विद्युत मिल सके। उन्होंने कहा कि यहाॅ के लोगों को खाद्यान्न की कमी न हो।

जिले में 'साधना सप्ताह' का शुभारंभ, पहले दिन अधिकारियों-कर्मचारियों ने लिया संकल्प

बालोद। भारत सरकार के 'मिशन कर्मयोगी' अभियान के अंतर्गत आज से 'साधना सप्ताह' का विधिवत आगाज हो गया है। जिसके अंतर्गत आज गुरूर विकासखण्ड के ग्राम अरमरीकला तथा संयुक्त जिला कार्यालय बालोद के एनआईसी कक्ष में गरिमामय उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जिले के वरिष्ठ अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम के पहले दिन उद्घाटन दिवस पर उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने 'साधना सप्ताह' का सामूहिक वाचन किया। इस दौरान 'कर्मयोगी भारत' के उद्देश्यों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसका मुख्य लक्ष्य सरकारी सेवाओं की दक्षता बढ़ाना और कार्य संस्कृति में सकारात्मक बदलाव लाना है।

उल्लेखनीय है कि साधना सप्ताह का आयोजन 02 अप्रैल से 08 अप्रैल तक किया जाएगा। जिसमें 03 अप्रैल को आत्मचिंतन दिवस पर व्यक्तिगत कार्यशैली का आत्म-मूल्यांकन और विभागीय सुधार हेतु सुझाव, 04 अप्रैल को सेवा संकल्प दिवस पर नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सेवा देने का संकल्प और सेवा मानकों की समीक्षा करना, 05 अप्रैल को नवाचार दिवस पर कार्यप्रणाली में सुधार के लिए नए विचारों का आदान-प्रदान और डिजिटल कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इसी तरह 06 अप्रैल को पारदर्शिता दिवस पर प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और शिकायत निवारण तंत्र की मजबूती पर चर्चा करना, 07 अप्रैल को सहयोग दिवस पर टीम भावना और सामूहिक कार्य संस्कृति को प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियाँ एवं 08 अप्रैल को समापन दिवस पर पूरे सप्ताह की रिपोर्ट तैयार करना और अनुभवों को साझा करना शामिल है।

प्रतापपुर के ग्रामों में जिपंग सीईओ ने किया विकास कार्यों का निरीक्षण

सूरजपुर। जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले द्वारा विगत दिवस जनपद पंचायत प्रतापपुर अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना एवं अन्य विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

निरीक्षण के क्रम में सर्वप्रथम ग्राम पंचायत मदन नगर पहुंचकर जिला पंचायत सीईओ ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत निर्माणाधीन अटल/लालसाय तालाब कार्य का स्थलीय अवलोकन किया और कार्य

की गुणवत्ता एवं प्रगति का जायजा लिया। सीईओ विजेन्द्र पाटले ने ग्राम पंचायत जगन्नाथपुर में कोवलेश्वर, राजमाडी, रंजीता एवं सुरंती के प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण भी किया। पाटले ने निर्माण कार्य की प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समयबद्ध रूप से कार्य पूर्ण करने के आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इसके उपरांत ग्राम पंचायत कनक नगर पहुंचकर जिला पंचायत सीईओ ने डीएवी स्कूल एवं पंचायत भवन का निरीक्षण किया और वहाँ की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।जिला पंचायत सीईओ द्वारा विकास कार्यो के भौतिक निरीक्षण व धरातल पर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जायजा लिया गया ताकि बेहतर तरीके से शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन कराया जा सके। इस संपूर्ण निरीक्षण में अपर कलेक्टर पुष्पेंद्र शर्मा, डीएमसी मनोज साहू, एसडीएम प्रतापपुर ललिता भगत, तहसीलदार सुरेश राय, जनपद पंचायत सीईओ अनिल तिवारी, एसडीओ (आरईएस), सब इंजीनियर बृजेश नरेश, मनरेगा कार्यक्रम अधिकारी निर्मल श्याम, पटवारी, पीएम आवास ब्लॉक कोऑर्डिनेटर मनोहर पैकरा, मनरेगा टीए संजय लाल, कमलेश्वर राजवाड़े, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नई राहें, नई उम्मीदः कृत्रिम अंगों से संवरी मनीराम की जिंदगी

बालोद। अगर हौसला बुलंद हो और शासन का साथ मिल जाए, तो हर बाधा पार की जा सकती है। कुछ ऐसी ही कहानी है बालोद जिले के गुरूर विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम छेड़िया के निवासी मनीराम की। एक दर्दनाक दुर्घटना में अपना पैर गंवा देने वाले मनीराम के जीवन में आए अंधेरे को अब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की शिदव्यांग हितैषी योजनाश् ने नई रोशनी से भर दिया है।

एक समय था जब मनीराम सामान्य जीवन जी रहे थे, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। एक सड़क दुर्घटना में अपना पैर गंवाने के बाद उनका जीवन बिस्तर तक ही सिमट कर रह गया था। चलने-फिरने में लाचारी के कारण उन्हें काम मिलना बंद हो गया, जिससे न केवल आर्थिक संकट गहराया, बल्कि मानसिक रूप से भी उन्होंने अपनी उम्मीदें छोड़ दी थीं। घर की चारदीवारी ही उनकी दुनिया बन गई थी।

मनीराम की इस बेबसी को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार की दिव्यांग हितैषी नीति और जिला प्रशासन बालोद के प्रयासों ने संजीवनी का काम किया। समाज कल्याण विभाग के माध्यम से मनीराम को निःशुल्क कृत्रिम पैर प्रदान किया गया।

कृत्रिम पैर लगने के बाद मनीराम के चेहरे पर जो चमक लौटी है, वह शब्दों से परे है। अब वे बिना किसी सहारे के आसानी से चल-फिर पा रहे हैं। मनीराम का कहना है कि पैर कटने के बाद मुझे लगा था कि अब मेरा जीवन दूसरों पर बोझ बनकर ही बीतेगा, लेकिन मुख्यमंत्री जी की इस योजना ने मुझे फिर से खड़ा कर दिया है। अब मैं कहीं भी आ-जा सकता हूँ और काम भी कर सकता हूँ। मनीराम ने इस नई जिंदगी के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और जिला प्रशासन के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है।

बिलाईगढ़ के कस्तूरबा छात्रावास का कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे द्वारा औचक निरीक्षण

सारंगढ़ बिलाईगढ़ । कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने बिलाईगढ़ स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आदिवासी छात्रावास का गुरुवार को औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास में रह रही छात्राओं की पढ़ाई, भोजन व्यवस्था और साफ-सफाई की स्थिति को बारीकी से देखा तथा आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्हें बताया गया कि छात्रावास में वर्तमान में 82 छात्राएं निवासरत हैं और यहां कक्षा 6वीं से 8वीं तक का संचालन किया जा रहा है। कलेक्टर ने सबसे पहले भोजन कक्ष का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध भोजन की गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने छात्राओं से सीधे बातचीत कर भोजन के बारे में जानकारी ली और पूछा कि उन्हें समय पर और अच्छा भोजन मिल रहा है या नहीं। इसके बाद कलेक्टर ने छात्रावास के कमरों का निरीक्षण किया, जहां 9वीं से 12वीं तक की छात्राएं अध्ययन कर रही थीं। उन्होंने कमरों में रहने की व्यवस्था, छात्रों की संख्या और सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। कक्षा 11वीं की छात्रा मीनाक्षी से बातचीत करते हुए कलेक्टर ने पढ़ाई की स्थिति के बारे में पूछा और यह भी जाना कि एक कमरे में कितनी छात्राएं रहती हैं।

'मोर गांव मोर पानी महाभियान' बना जन आंदोलन, 32058 वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण

दुर्ग । कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार जिले में जल संरक्षण की दिशा में संचालित मोर गांव मोर पानी महाभियान ने जन आंदोलन का रूप ले लिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत निर्मित आवासों में मात्र 15 दिनों के भीतर 32 हजार 058 रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण पूर्ण कर दुर्ग जिले ने जल संरक्षण के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व कीर्तिमान स्थापित किया है। इस अभियान के माध्यम से भूजल स्तर सुधारने की दिशा में बड़ी पहल सफल रही है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग दुबे के नेतृत्व में संचालित इस अभियान के अंतर्गत 'एकेच गोठ, एकेच बानी, बूंद-बूंद बचाबो पानी 2.0' अभियान की शुरुआत 13 मार्च 2025 को की गई थी। अभियान के प्रथम चरण में प्रधानमंत्री आवास हितग्राहियों के घरों में मात्र दो घंटे के भीतर 1764 सोक पीट का निर्माण कर गोल्डन बुक में नाम दर्ज कराया गया। द्वितीय चरण में 08 दिसम्बर को 12 हजार 418 सोक पीट का निर्माण किया गया, जिससे कुल 14 हजार 182 सोक पीट का निर्माण स्वप्रेरणा से किया गया। इसके साथ ही मोर गांव मोर पानी अभियान के तहत 23 हजार 889 कंटूर ट्रेंच एवं वाटर एब्जॉर्पशन ट्रेंच का निर्माण भी पूर्ण किया गया है।

मनरेगा के माध्यम से जल संचय कार्यों में जनभागीदारी सुनिश्चित करते हुए अब तक 32 हजार 058 संरचनाओं की एंट्री पोर्टल पर की जा चुकी है। इस अभियान में ग्रामीणों ने स्वयं आगे बढ़कर श्रमदान किया, जिससे यह अभियान जन आंदोलन के रूप में स्थापित हुआ है। प्रत्येक प्रधानमंत्री आवास में निर्मित रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं से न केवल वर्तमान की जल आवश्यकताओं की पूर्ति होगी, बल्कि भविष्य के लिए भी जल सुरक्षा सुनिश्चित होगी। अभियान के तहत विभिन्न जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया गया है, जिसमें कम खर्च वाले 24 कार्य, 15 बोरवेल रिचार्ज, 03 चेकडेम, 5875 कंटूर ट्रेंच, 07 गली प्लग, 03 नाला बंड, 18 ओपन वेल रिचार्ज (डगवेल), 07 परक्यूलेशन तालाब, 537 रिचार्ज पीट, 05 रिचार्ज शाफ्ट, 817 रूफटॉप वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर, 6676 सोक पीट, 09 टैंक, 48 विलेज पॉण्ड तथा 18014 वाटर एब्जॉर्प्शन ट्रेंच कार्य शामिल हैं।

इन संरचनाओं के माध्यम से वर्षा जल का संरक्षण कर भूजल स्तर में सुधार और स्थायी जल प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा। जिला प्रशासन द्वारा सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने घरों और गांवों में अधिक से अधिक जल संरक्षण संरचनाएं बनाकर इस महाभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं, जिससे हर घर जल संचय के लक्ष्य को साकार किया जा सके।

पीएम जनमन आवास योजना से आदिवासी परिवारों के जीवन में आ रहा सकारात्मक बदलाव

जशपुरनगर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों को शासन की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। पीएम जनमन आवास योजना के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को पक्का आवास उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे उनके जीवन स्तर में निरंतर सुधार हो रहा है और वे सुरक्षित व सम्मानजनक जीवन जी पा रहे हैं।

इसी क्रम में मनोरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत करादरी के पहाड़ी कोरवा परिवार के कुल्लू राम को पीएम जनमन आवास योजना के तहत पक्का मकान स्वीकृत हुआ है। वर्ष 2023-24 में 2 लाख रुपये की राशि से उनका आवास पूर्ण किया गया है। पहले जहां उनका परिवार कच्चे घर में रहकर बारिश, ठंड और अन्य कठिनाइयों का सामना करता था, वहीं अब पक्के घर में रहने से उनका जीवन अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक हो गया है।

हितग्राही कुल्लू राम ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि 'पहले हम कच्चे घर में रहते थे, बरसात के समय काफी परेशानी होती थी। अब सरकार की मदद से पक्का घर मिल गया है। अब हमारा परिवार सुरक्षित है और रहने में भी सुविधा हो गई है। मैं बहुत खुश हूं और सरकार का आभार व्यक्त करता हूं।'

उन्होंने आगे बताया कि पक्का मकान मिलने से परिवार को हर मौसम में सुरक्षित रहने की सुविधा प्राप्त हुई है। अब उन्हें पहले जैसी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता और जीवन पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है।

जयमरगा के गढ़पहाड़ की गुफा में प्रागैतिहासिक काल के हैं आदिमकालीन शैलचित्र

जशपुरनगर। जशपुर प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण तो है ही पुरातात्विक दृष्टिकोण से भी समृद्ध है। यहां की प्राकृतिक छटा सहज ही लोगों को आकर्षित करती है। यहां पर प्राकृतिक तौर पर निर्मित झरने, गुफाएं, पहाड़ों का आकर्षण ऐसा है कि पर्यटक खींचे चले आते हैं। इसी तरह की एक जगह है ग्राम जयमरगा का गढ़पहाड़। यहां पर प्राकृतिक तौर पर निर्मित गुफा में आदिमकालीन शैलचित्र मिले हैं। इससे पता चलता है कि आदिमानव यहां पर निवास करते रहे होंगे। उनकी बनाई कलाकृति आज भी यहां पर मौजूद हैं।

जशपुर जिला मुख्यालय से लगभग 30 किलोमीटर दूर जयमरगा ग्राम है। ग्राम पंचायत डड़गांव का यह आश्रित ग्राम जयमरगा मनोरा विकासखंड के अंतर्गत आता है। ग्राम की आबादी

लगभग 1400 है। इस ग्राम तक पहुंचने के लिए सड़कें बनी हुई है। जयमरगा पहुंचने पर यहां की गढ़पहाड़ पर लगभग 300 मीटर तक चढ़ाई करने के बाद इस गुफा तक पहुंचा जा सकता है। इस गुफा में ही आदिमकालीन शैलचित्र बने हुए हैं। ग्रामीण यहां पर पूजा भी करते हैं। पुरातत्त्ववेत्ता डॉ. अंशुमाला तिर्की और बालेश्वर कुमार बेसरा ने बताया कि जयमरगा गाँव में प्रागैतिहासिक स्थलों की भरमार है। यहाँ पहाड़, जंगल और नदी के कारण प्रागैतिहासिक मनुष्यों के जीवन के लिए आवश्यक भोजन, पानी और आश्रय की उपलब्धता थी। इस गाँव में एक प्रागैतिहासिक शैल चित्र गुफा है, जहाँ मध्य पाषाण काल के उपकरण भी मिले हैं।

बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने जिले में एचपीवी टीकाकरण अभियान 6 अप्रैल से

दुर्ग । कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी के मार्गदर्शन में जिले में बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से एचपीवी टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। आगामी 06 अप्रैल 2026 से जिले के शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में एचपीवी टीकाकरण उपलब्ध रहेगा। इस संबंध में जिला टीकाकरण अधिकारी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चिकित्सा अधिकारियों एवं स्टाफ नर्सों को आवश्यक प्रशिक्षण एवं दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. दिव्या श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के बाद सर्वाधिक होने वाला कैंसर

सर्वाइकल कैंसर है, जिससे बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन अत्यंत प्रभावी है। यह वैक्सीन बालिकाओं को ह्यूमन पैपिलोमा वायरस के संक्रमण से बचाकर भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के खतरे को कम करने में सहायक होगी। उन्होंने बताया कि यह टीकाकरण 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं के लिए निर्धारित किया गया है तथा सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में शासकीय अवकाश को छोड़कर प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक टीकाकरण किया जाएगा।

ससौली-छिरोपारा के ग्रामीणों का वर्षों का पैदल सफर हुआ समाप्त

अम्बिकापुर। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना वनांचल और दूरस्थ क्षेत्रों के ग्रामीणों के लिए आवागमन का सशक्त माध्यम बन रही है। जिले के विकासखंड लुण्ड्रा के ग्राम ससौली और छिरोपारा के निवासियों के लिए अब जिला मुख्यालय अंबिकापुर तक की राह न केवल आसान हुई है, बल्कि उनके समय और श्रम की भी बड़ी बचत हो रही है।

ग्राम ससौली छिरोपारा के रहने वाले गिरवर यादव बताया कि मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के प्रारंभ होने से पहले उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। मुख्य मार्ग तक पहुंचने के लिए ग्रामीणों को लगभग 8 से 10 किलोमीटर तक पैदल चलकर लुण्ड्रा आना पड़ता था। उन्होंने कहा कि पहले बस पकड़ने के लिए घंटों पैदल चलना पड़ता था। कई बार देरी होने पर बस छूट जाती थी, जिससे पूरा दिन खराब हो जाता और जरूरी काम भी रुक जाते थे। लेकिन जब से 'अंबिकापुर से कोरांधा-उरदरा' मार्ग पर मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा शुरू हुई है, हमारी जिंदगी बदल गई है।'

योजना के तहत संचालित बस अब सीधे गांव के करीब से होकर गुजर रही है। ग्रामीण अब आसानी से बस में सवार होकर समय पर जिला मुख्यालय पहुंचते हैं, दिनभर अपना काम निपटाते हैं और उसी बस से सुरक्षित अपने घर वापस लौट आते हैं। इस सुविधा ने न केवल आर्थिक रूप से राहत दी है, बल्कि बुजुर्गों, महिलाओं और छात्रों के लिए आवागमन को बेहद सुविधाजनक बना दिया है।

योजना के लिए शासन का जताया आभार

पहुंचविहीन क्षेत्रों को जिला मुख्यालय से जोड़ने की इस सार्थक पहल के लिए क्षेत्र के ग्रामीणों ने खुशी जाहिर की है। ससौली और छिरोपारा के गिरवर यादव ने इस संवेदनशील निर्णय के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स : छत्तीसगढ़ की टीम ने मल्लखंभ में लहराया परचम, बालक-बालिका दोनों वर्गों में बने चैंपियन

अम्बिकापुर। खेलो इंडिया ट्राईबल गेम्स 2026 के अंतर्गत सरगुजा जिले के अम्बिकापुर के गांधी स्टेडियम में आयोजित डेमो खेल मल्लखंभ प्रतियोगिता का शानदार समापन शुक्रवार को हुआ। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने रोप मल्लखंभ, पोल मल्लखंभ, हैंगिंग मल्लखंभ, पिरामिड मल्लखंभ में एक से बढ़कर एक करतब दिखाए। खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर वहां मौजूद दर्शकों द्वारा तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। प्रतियोगिता के बाद विजेता टीम घोषित किया गया। आज हुई प्रतिस्पर्धा में छत्तीसगढ़ की बालिका टीम उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ विजेता घोषित की गई। विजेता टीमों को शनिवार को आयोजित मेडल सेरेमनी में मेडल प्रदान किया जाएगा।

ये रहे चैंपियन :

मल्लखंभ प्रतियोगिता में देश के 14 राज्यों की टीमों ने हिस्सा लिया। राज्यों की टीमों ने शानदार प्रदर्शन कर जीत के लिए दमखम लगाया। छत्तीसगढ़ की टीम ने बालक एवं बालिका दोनों वर्गों में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। बालक वर्ग में छत्तीसगढ़ की टीम ने 124.35 अंक के साथ गोल्ड, महाराष्ट्र की टीम ने 118.35 अंक के साथ सिल्वर एवं झारखण्ड की टीम ने 86.95 अंक के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। वहीं बलिका वर्ग में छत्तीसगढ़ की टीम ने 80.15 अंक के साथ गोल्ड, महाराष्ट्र की टीम ने 69.90 अंक के सिल्वर एवं झारखण्ड की टीम ने 49.80 अंक के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

मालदा घटना पर राजनीति नहीं, सख्त कार्रवाई हो

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

सुप्रीम कोर्ट ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआइआर) के काम में लगे न्यायिक अधिकारियों को भीड़ द्वारा नौ घंटे तक बंधक बनाने व उन पर हमले की वारदात को रोकने में विफल रहने के लिए पश्चिम बंगाल के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई है। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के एक गांव में हुई इस घटना को कोर्ट ने न्यायिक अधिकारियों का मनोबल तोड़ने और सुप्रीम कोर्ट के अधिकार को चुनौती देने का दुस्साहसी प्रयास बताया है। घटना को रोकने में नाकामी को सुप्रीम कोर्ट ने 'आपराधिक विफलता' की संज्ञा देते हुए चुनाव आयोग को यह भी कहा है कि जहां भी न्यायिक अधिकारी एसआइआर के मामलों की सुनवाई कर रहे हों, वहां केंद्रीय सुरक्षा बलों को तैनात किया जाए।

पश्चिम बंगाल में इसी माह दो चरणों में राज्य विधानसभा के लिए मतदान होना है। चुनावों के मौके पर सियासी बयानबाजी का दौर तो स्वाभाविक है। लेकिन चुनाव प्रकिया का हिस्सा बनने वाली मशीनरी पर इस तरह के हमले को शर्मनाक और न्यायापालिका की गरिमा को चोट पहुंचाने वाला ही कहा जाएगा। मालदा की यह घटना साफ बताती है कि भीड़तंत्र को हावी होने से रोकने के ईमानदारी से प्रयास ही नहीं किए गए। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट ने भी इस घटनाक्रम को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में बाधा बताया है। सवाल सिर्फ पश्चिम बंगाल का ही नहीं, देशभर में कहीं भी इस तरह की घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। एसआइआर के मुद्दे पर पश्चिम बंगाल में हो रही राजनीति भी जगजाहिर है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चुनाव आयोग व केंद्र सरकार पर हमलावर रही है। लेकिन यह दुर्भाग्यजनक है कि इस शर्मनाक घटना पर भी वहां राजनीति होने लगी है। अपनी मांग रखने व विरोध प्रदर्शन का हक लोकतंत्र में सबको है। बड़े-बड़े आंदोलनों के भी शांतिपूर्वक समाधान के रास्ते निकलते आए हैं। एसआइआर में मतदाता सूची से नाम कटने की सुनवाई की भी व्यवस्था बनाई गई है। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर ही अपीलीय ट्रिब्यूनल गठित किए हैं, जो मतदाता सूचियों से नाम हटाने या जोड़ने से जुड़ी अपीलों की सुनवाई कर रहे हैं। इसके बावजूद इस व्यवस्था को ही चुनौती देने के प्रयास होने लगें तो इसे लोकतंत्र के हित में कतई नहीं कहा जा सकता।

बंगाल में ही नहीं, प्रशासनिक मशीनरी की कहीं भी विफलता होती है तो सवाल नौकरशाही की जवाबदेही का उठता है। मतदान के दौरान ऐसा दुस्साहस होता दिखे तो निष्पक्ष मतदान पर भी सवाल उठने लगते हैं। आज आवश्यकता है कि ऐसी घटनाओं पर कठोर कार्रवाई हो, जिम्मेदारों को जवाबदेह ठहराया जाए। चुनावों के मौकों पर यह जवाबदेही और भी ज्यादा जरूरी है। लोकतंत्र की खूबसूरती विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की मजबूती से ही संभव है। आरोप-प्रत्यारोप के बजाय लोकतंत्र की मजबूती की दिशा में समन्वित प्रयास किए जाने चाहिए।

दिल पर दस्तक दी किसने

"धड़कनें बैचेन हो उठी,
दिल पर दस्तक दी किसने!
कौन आया ख़्वाबों में,
हमसे मोहब्बत कि किसने!"
कविता"आत्मा"

– Kavita Sharma Kaushik

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

भगवान कहते हैं कि मेरे सम्मुख व्यक्ति को चार वस्तुओं को छोड़कर आना चाहिए। और वे चार वस्तुएं हैं –

तजि मद मोह कपट छल नाना। करउँ सद्य तेहि साधु समाना।।

गोस्वामीजी ने कहा कि जब मैं यह सोचकर निराश होकर लौट रहा था कि भगवान तो कहते हैं कि मद, मोह, कपट और छल छोड़कर तब मेरी शरण में आओ। उसी समय बीच में मिल गये भरतजी। और भरतजी ने पूछा, अरे ! प्रभु के सामने जाते-जाते लौट कैसे आए ? मैंने उन्हें अपनी समस्या बता दी। तुरंत भरतजी ने मेरे कान में यह मंत्र दिया कि तुमको यह पता ही नहीं है कि उनको दोष देखना ही नहीं आता है अच्छा, तुम मेरे साथ चलो। किंतु उस समय यदि श्रीभरत अकेले जा रहे होते तो मैं साहस न करता, पर मैंने देखा कि भरतजी की यात्रा तो

अयोध्या के सारे व्यक्तियों को लेकर भगवान के पास पहुंचने की चल रही है। गोस्वामीजी डर रहे थे, किंतु श्रीभरत ने धीरे से कहा कि इसी भीड़ में सम्मिलित हो जाओ, डर क्यों रहे हो ? अरे ! जब इतने लोग शरण में चलेंगे तो तुम भी चलो। इसी बात से गोस्वामीजी का साहस और बढ़ गया। यदि हम श्रीभरत की यात्रा पर विचार करें तो हमें लगेगा कि यह यात्रा शाश्वत यात्रा है, यह हर युग में चलती रहती है, और इस यात्रा का उद्देश्य व्यक्ति को अयोध्या से ले जाकर उसे श्रीराम से मिलाना।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

हेल्थकेयर इंडस्ट्री में रुचि है तो डिजिटाइजेशन पर फोकस रखें

एन. रघुरामन मैनेजमेंट गुरु

अगर आप कभी शनिवार को हेल्थ चेकअप के लिए गए होंगे, तो गौर किया होगा कि ये अस्पतालों में सर्वाधिक भीड़ वाला दिन होता है और रजिस्ट्रेशन काउंटर पर लंबी कतार देखकर आप निराश हुए होंगे। इसके दो कारण हैं :

1. कोई भी मरीज रविवार की छुट्टी ऐसे काम में नहीं खपाना चाहता।

2. रजिस्ट्रेशन काउंटर पर महज मरीज का टेलीफोन नंबर डाल कर उसका पुराना रिकॉर्ड निकालना आसान नहीं होता, इसलिए नाम, पता और बीमारी जैसी वही पुरानी एंट्रीज फिर डालनी पड़ती हैं। मुझे तो यह कहने का अधिकार नहीं, लेकिन मेडिकल इंडस्ट्री की एक जानी-पहचानी हस्ती ऐसा कहती हैं। अपोलो हॉस्पिटल, हैदराबाद की जॉइंट एमडी डॉ. संगीता रेड्डी ने हाल ही में आधिकारिक तौर पर कहा कि 'डॉक्यूमेंटेशन, अलग-अलग सिस्टमों में जानकारी ढूंढने, एक ही एंट्री बार-बार करने में और बिखरे हुए वर्कफ्लो को प्रबंधित करने में समय खर्च होता है। यह बोझ कम होने पर क्लिनिशियन उस पर ध्यान दे सकेंगे, जिसे इनोवेशन या पैसा नहीं खरीद सकता और वह है- मरीजों पर ध्यान देना।'

केयर इंडस्ट्री की इस विख्यात प्रतिनिधि की सोच के मुताबिक स्थिति बहुत जल्द बदलने वाली है, क्योंकि भारत का हेल्थकेयर सेक्टर रिकॉर्ड्स को डिजिटाइज करने में बड़ी प्रगति कर रहा है। अगर आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से जुड़े अकाउंट्स की बात करें तो 2026 तक 80 करोड़ हेल्थ रिकॉर्ड्स लिंक हो चुके हैं।

अगला कदम इस डेटा में और आंकड़े जोड़ना ही नहीं, बल्कि ऐसा सिस्टम बनाना होगा, जिसमें चिकित्सकों को तत्काल और कम मशक्कत के मरीज के पुराने रिकॉर्ड मिल सकेंगे और वो बेहतर निर्णय कर सकेंगे। ऐसा तभी होगा, जब सारे सिस्टम बैकग्राउंड में काम करते रहें। केयर इंडस्ट्री अब ऐसे

यूनिफाइड डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की ओर बढ़ रही है, जो ऑपरेशनल गैप्स को भरना आसान करता है।

हर अस्पताल जी-तोड़ कोशिश करेगा कि टेक्नोलॉजी उनके क्लिनिकल जजमेंट को मजबूत करे, डेटा सुरक्षा बढ़ाए, विभागों में तालमेल रखे और हर मरीज की केयर को निजी और सम्मानजनक बनाए रखे। इस स्तर तक पहुंचने के लिए सेंट्रलाइज्ड आइडेंटिटी और एक्सेस मैनेजमेंट सिस्टम को सुनिश्चित करना चाहिए कि अस्पताल में अलग-अलग विभागों के कर्मचारी सिर्फ उसी डेटा तक पहुंचें, जो उनके लिए जरूरी है।

मसलन, एक यूरोलॉजिस्ट के पास सिर्फ यूरिन टेस्ट रिपोर्ट ही नहीं, सोनोग्राफी रिपोर्ट की एक्सेस भी हो। एआई टूल्स लगातार निगरानी और नेटवर्क गतिविधियों का विश्लेषण करेंगे और सभी एप्लीकेशंस और डिवाइसेज में असामान्य व्यवहार को रियल-टाइम में चिन्हित करेंगे।

केयर इंडस्ट्री का भविष्य अब रिएक्टिव एप्रोच से फ्यूचरिस्टिक प्रिडिक्शन की ओर जा रहा है। यानी अगले 5-10 वर्षों में मरीज के साथ क्या हो सकता है और वह अभी से क्या प्रिवेंटिव केयर अपना सकता है। विदेशों में मरीजों को प्रोत्साहित किया जाता है कि वे हेल्थकेयर को अचानक आई बीमारी के वक्त का मासिक या अल्पकालीन खर्च न मानें, बल्कि अपनी प्रोडक्टिविटी और स्टेबिलिटी सुरक्षित रखने वाले दीर्घकालीन निवेश की तरह देखें।

'रिएक्टिव' से ' ?प्रिडिक्टिव' केयर की ओर आ रहे इस बदलाव ने तकनीकी विशेषज्ञों की भारी मांग पैदा की है। इसमें एआई और मशीन लर्निंग इंजीनियर्स, हेल्थ डेटा साइंटिस्ट्स, साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञ, टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म विशेषज्ञ और इंटरऑपरेबिलिटी आर्किटेक्ट्स शामिल हैं। डिजिटाइजेशन का मतलब सिर्फ कोडिंग नहीं है।

इस प्रक्रिया में नए डिजिटल वर्कफ्लो को संभालने वाले इंसान भी चाहिए। इससे नॉन-आईटी प्रोफेशनल्स के लिए भी अवसर बन रहे हैं। इनमें क्लिनिकल इंफॉर्मेटिक्स स्पेशलिस्ट, डिजिटल हेल्थ प्रोडक्ट मैनेजर्स, मेडिकल स्क्राइब्स, डॉक्यूमेंट स्पेशलिस्ट, टेलीहेल्थ ऑपरेशंस लीड्स और हेल्थ इंश्योरेंस व क्लेम्स एनालिस्ट आते हैं। इस विकास में कुछ हाइब्रिड भूमिकाएं भी सामने आ रही हैं, जैसे एआई सेफ्टी ऑडिटर, ईएचआर इम्प्लीमेंटेशन स्पेशलिस्ट्स और हेल्थ डेटा मैनेजर।

फंडा यह है कि भले ही एआई आज हमारे साधारण काम करने को तैयार हो, लेकिन हेल्थकेयर सेक्टर बांहें फैलाए हमारे सामने खड़ा है। डिजिटाइजेशन को ध्यान में रखकर इसमें घुसिए और भविष्य बनाइए।

अपने अनुभवों के लिए हमारे पास क्या हमेशा शब्द होते हैं?

कई साल पहले मैं अपनी चाची को एक प्रख्यात होम्योपैथ के पास ले गई थी। जैसा कि होम्योपैथी में अकसर होता है, मेरी चाची से कई सवाल पूछे गए- आप कहां रहती हो, घर में कौन-कौन है, आप को चिंता करने की आदत है, आप गुस्से में आ जाती हो या नहीं?

मेरे परिवार के बड़े सदस्य पढ़े-लिखे लोगों में से नहीं हैं। मेरी चाची मुश्किल से अपना नाम लिख पाती हैं। 12 साल की उम्र में उनकी शादी हो चुकी थी और उनके 11 बच्चे हुए थे। उनसे डाक्टर ने पूछा, 'आप कहां बड़ी हुईं, आपकी पैदाइश कहां की है?'

चाची ने कहा, 'सिंध में पैदा हुई और फिर हमारे परिवार वाले अजमेर चले गए। शादी के बाद से अहमदाबाद में हूं।' 'सिंध से अजमेर कैसे आना हुआ?' पूछे जाने पर चाची ने कहा- 'जब हिंदुस्तान-पाकिस्तान हुआ!' गुजरात में बसने वाले डाक्टर को समझ न आया। उसने कहा किस साल में?

चाची ने कहा, 'वह तो मैं नहीं जानती!' बंटवारा हमारे घर की वास्तविकता थी, किंतु यह शब्द हमारे लिए अनजाना था। 'जब हिंदुस्तान-पाकिस्तान हुआ'- इस वाक्य को कई तरह से समझा जा सकता है। जो हिंदुस्तान था वह पाकिस्तान बन गया या दोनों शब्दों के बीच लीक लगाकर कहो तो जब दो देश बने- हिंदुस्तान और पाकिस्तान।

मैं इस बातचीत को नहीं भूल पाई। पहली बार मुझे एहसास हुआ, जो इतनी भयानक ऐतिहासिक घटना से गुजरते हैं, उनके लिए उनकी तारीख और नाम महत्वपूर्ण नहीं भी हो सकते हैं।

सिंधी समाज में 'विर्हांगो' शब्द का भी इस्तेमाल होता है, परंतु यह साहित्यकारों द्वारा प्रयोग किया जाता है। मेरी चाची जैसे लोगों को यह शब्द भी पता नहीं था, ना ही 1947 का साल। शायद इतिहास और स्मृति का यही रिश्ता है। एक घटनाओं को नाम देता है और दूसरी बेनाम घटनाओं का असर छोड़ जाती है।

अगले वर्षों में मैंने विभाजन के बाद सिंध से पलायन करने वाले लोगों का साक्षात्कार लेना शुरू किया। मैं अपनी चाची से भी उनके अनुभव के बारे में जानना चाहती थी। उन्होंने मुझे बताया कि वे अपने परिवार के साथ हैदराबाद (सिंध) गई थीं और वहां से उन्होंने ट्रेन से राजस्थान के पाली तक का सफर तय किया।

जब भी कोई टिकट चेक करने आता, उन्हें कहीं छिपा दिया जाता क्योंकि उनके पास टिकट नहीं था। इससे पहले कि वे मुझे और कुछ बता पातीं, उनके पति यानी मेरे चाचा ने उन्हें बीच में ही रोक दिया और कहा, तुम्हें कुछ नहीं पता, मुझे बताने दो कि क्या हुआ था।

चाचा को घटनाओं के नाम, आरएसएस, मुस्लिम लीग और कांग्रेस जैसे संगठनों के नाम अच्छी तरह से पता थे। वे खुद को इतिहास का जानकार मानते थे। लोगों से भरे घर में चाची और मुझे कभी अकेले बात करने का समय नहीं मिला। उनकी कहानी दबी रह गई।

जिनके पास अनुभव हैं, उनके पास कई बार इतिहास में इस्तेमाल होने वाले शब्द नहीं होते। अपने अनुभवों को वे जिन शब्दों में या कई बार आधे-अधूरे वाक्यों में कहते हैं, उन्हें सुनने का वक्त और धीरज हम में नहीं होता। क्या ट्रॉमा या सदमे के अनुभवों के शब्द हमेशा होते हैं? और ऐसे कौन-से शब्द हैं, जो उस अनुभव से न्याय कर सकें? यह तो हुई इंसानों की बातें, जानवरों को क्या होता है?

सिंधी में 'बैल' नाम की एक कहानी है, जिसका मैंने अनुवाद किया है। बंटवारे के बाद पंजाब से आए कुछ किसान सिंध के गांवों में पहुंचते हैं। उनमे से एक शम्सुद्दीन नाम का किसान अपने बैल वहां के एक सिंधी किसान को दे देता है और उससे दूसरे बैल और गधे ले लेता है। लेकिन दोनों किसान अपने बैलों को हुक्म देते हुए पाते हैं कि बैलों को उनकी भाषा ही समझ नहीं आती।

आखिरकार, हारकर दोनों अपने-अपने जानवर लौटा देते हैं। कहानी के अंत में सिंध का किसान सोचता है कि अगर ये हालत बैलों की है तो यहां से गए सिंधी भाइयों की क्या हालत हुई होगी?

शब्द और अनुभव एक-दूसरे के साथ तालमेल नहीं बिठा पाते। यह माना जाता है कि इतिहास सभी के बारे में होता है, लेकिन अकसर यह उन्हीं के बारे में होता है, जिनके पास उसे व्यक्त करने के लिए शब्द होते हैं।

अपराध कोई भी करे उसकी सजा तो मिलनी चाहिए

किसी भी प्रदेश में कितना भी रसूखदार नेता या कोई प्रभावशाली व्यक्ति हो, अगर उसने अपराध किया है तो आम लोग तो यही चाहते हैं कि उसे सजा जरूर मिलनी चाहिए ताकि कोई रसूखदार या प्रभावशाली व्यक्ति फिर कभी राज्य में वैसा अपराध न करे।अपराध करे तो यह सोच कर डरे कि अपराध करके कोई बच नहीं सकता है, अपराध किया है तो उसकी सजा तो उसे जरूर मिलेगी। न्याय में कभी कभी देरी होती है, बहुत देरी भी होती है लेकिन जब न्याय होता है तो लोगों को लगता है कि गंभीर अपराध के मामले में अदालत ने अब न्याय किया है। जिसने अपराध किया है, जिसके इशारे पर अपराध किया गया है, उसे अब जाकर सजा मिली है।जग्गी हत्याकांड में कोर्ट ने 28 लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी और अजीत जोगी पुत्र अमित जोगी को निचली अदालत ने बरी कर दिया था। तब जग्गी परिवार और राज्य के लोगों को ऐसा लगा था कि राज्य के बहुचर्चित मामले में न्याय नहीं हुआ है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता रामवतार जग्गी की 4 जून 2003 को मौदहापारा क्षेत्र में जब वह कार से घर लौट रहे थे तो गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।उस समय में राज्य में कांग्रेस की सरकार थी।मुख्यमंत्री अजीत जोगी थे।इस मामले में पहले पांच लोगों की गिरफ्तारी हुई थी तो माना गया था कि यह हत्या लूट के इरादे से की गई है।तब आरोप लगाया गया कि जांच भटकाने के लिए पांच लोगों से सरेंडर कराया गया है।सबूत मिटाए जा रहे हैं,जांच को प्रभावित किया जा रहा है।बाद में पुलिस ने राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता मानते हुए जांच की।दिसंबर 2003 में विधानसभा चुनाव हुए कांग्रेस हारी कांग्रेस की हार का एक कारण जग्गी हत्याकांड भी माना गया। भाजपा की सरकार बनी तो सीएम रमन सिंह ने मामले को गंभीरता से लिया इसे जांच के लिए सीबीआई को सौंपा गया। सीबीआई ने 2004-05 में 31 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की।इसमें पूर्व सीएम अजीत जोगी के बेटे का नाम भी शामिल था।उन् पर आरोप था कि हत्या की साजिश सीएम आवास और होटलों में बैठक करे रची गई थी। सीबीआई जांच में पुलिस अधिकारियों की मिलीभगत भी सामने आई और तत्कालीन थाना प्रभारी,सीएसपी आदि के खिलाफ कार्रवाई भी हुई।

रामावतार जग्गी हत्याकांड छत्तीसगढ़ की राजनीति के इतिहास की पहली राजनीतिक हत्या मानी जाती है। होने वाले राजनीतिक नुकसान से बचने के लिए किसी की हत्या की साजिश रची गई और सरे आम गोली मारकर हत्या भी कर दी गई। इससे पहली बार ऐसा लगा कि राज्य के सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच कटुता कितनी गहरी हो गई थी।इससे राज्य में विपक्ष व सत्ता पक्ष के बीच जो दूरी बनी इसका एहसास तो अब भी कभी कभी होता है कि सत्ता व विपक्ष के बीच जितनी दूरी है, उतनी दूरी नहीं होनी चाहिए। इस मामले मे ट्रायल कोर्ट ने 2007 में 28 लोगों को दोषी ठहराया और अजीत जोगी के पुत्र अमित जोगी को सबूत के अभाव में बरी कर दिया।जग्गी परिवार मामले को हाईकोर्ट ले गया जहां कोर्ट ने अजीत जोगी के पुत्र और जनता कांग्रेस के अध्यक्ष अमित जोगी को दोषी करार दिया गया है। निचली अदालत ने अमित जोगी को संदेह का लाभ देते हुए बरी किया था तो हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को खारिज करते हुए हत्या की साजिश में अमित जोगी के संलिप्त होने के पर्याप्त सबूत हैं,उन्हें हत्या की साजिश का अहम हिस्सा माना है।

कोर्ट का फैसला आने के बाद रामवतार जग्गी के बेटे ने कहा है कि आज मेरे पिता को न्याय मिला है।मुख्य आरोपी अमित जोगी अब जेल जाएंगे।इस दिन का लंबे समय से इंतजार था। वहीं अमित जोगी ने कोर्ट के फैसले पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि हाईकोर्ट ने महज चालीस मिनट में सीबीआई की अपील स्वीकार कर ली और उनको अपनी बात रखने का मौका नहीं दिया।यह अभूतपूर्व है कि जिसे पहले अदालत ने बरी किया था उसे बिना सुनवाई के दोषी ठहरा दिया गया है।मेरे साथ अन्याय हुआ है।मुझे पूरा विश्वास है कि सुप्रीम कोर्ट से मुझे न्याय मिलेगा। जग्गी हत्याकांड से कांग्रेस की बहुत बदनामी हुई थी कि कांग्रेस राजनीतिक नुकसान से डर कर अपने विरोधियों की हत्या तक करा सकती है।यहीं वजह है इस मामले में कांग्रेस की तरफ से बयान आया है कि कांग्रेस इस मामले में निष्पक्ष जांच चाहती थी,यूपीए के समय में अमित जोगी को गिरफ्तार किया गया था।जग्गी परिवार ने न्याय के लिए लंबा संघर्ष किया है,

---

आपके चैटबॉट के कानों में कौन कानाफूसी कर रहा है?

एल्गोरिदम कभी तटस्थ नहीं होते। इसके बावजूद विगत एक दशक से अधिक समय से हमने बिग-टेक को इन्हें हमारे सूचना इको-सिस्टम के द्वारपाल के रूप में तैनात करने की अनुमति दे दी है और वह भी बिना पारदर्शिता या जवाबदेही की मांग किए। इसके परिणाम ध्रुवीकरण और सनसनीखेज कंटेंट के प्रसार से लेकर पर्सनलाइज्ड-विज्ञापनों, एकाधिकारवादी व्यवहार को बढ़ावा देने और सार्वजनिक विमर्श पर ऐसे प्रभावों तक रहे हैं, जो लोकतांत्रिक विचार-विमर्श के प्रतिकूल हैं। अतीत से हम यह सबक सीख चुके हैं कि जब सूचना के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को बिना किसी निगरानी के कॉर्पोरेट हितों के हवाले कर दिया जाता है तो क्या होता है। फिर भी हम एआई चैटबॉट्स के साथ वही गलती दोहरा रहे हैं। ये चैटबॉट्स केवल मौजूदा इंफॉर्मेशन का संकलन ही नहीं करते; वे उन्हें जनरेट भी करते हैं और उनका स्वरूप भी तय करते हैं। फेसबुक और गूगल यह निर्णय लेते थे कि आपको कौन-सी खबरें और कौन-से लेख दिखाए जाएं, जबकि चैटजीपीटी, क्लॉड और जेमिनाई जैसे एआई-टूल्स उसी इंफॉर्मेशन का सार आपके सामने इस तरह से प्रस्तुत करते हैं, मानो वह कोई अधिकृत-सूचना हो!

सूचनाएं जुटाने से लेकर उन्हें सम्पादित करने तक की यह यात्रा बहुत मायने रखती है। हम भविष्य की सूचनाओं के बुनियादी ढांचे को निजी कंपनियों के हवाले कर दे रहे हैं और वह भी स्वतंत्र निगरानी की मांग किए बिना। सबसे बड़ा खतरा यह है कि निजी स्वार्थों से संचालित होने वाले कुछ गिने-चुने पक्ष एक बड़ी आबादी के लिए सूचनाओं के गेटकीपर बन रहे हैं।

मौजूदा चैटबॉट्स केवल बड़े भाषा मॉडल (एलएलएम) ही नहीं हैं। वे कई अपारदर्शी एल्गोरिदमों पर भी आधारित होते हैं। इन एल्गोरिदमों की कम से कम पांच लेयर्स होती हैं। पहली है ट्रेनिंग-डेटा का संकलन। प्रशिक्षण के दौरान कौन-सा डेटा शामिल किया जाए या किसे बाहर रखा जाए, इन सब पर अपारदर्शी निर्णय लिए जाते हैं। लेकिन इन्हीं से मॉडल की सोच तय होती है।

उदाहरण के लिए, अक्टूबर 2025 में इलॉन मस्क ने अपने ग्रोक चैटबॉट के लिए ट्रेनिंग-डेटा उपलब्ध कराने के लिए ग्रोकिपीडिया शुरू किया था। कॉर्पोरेट नियंत्रण वाला यह विश्वकोश विकीपीडिया के एंटी-वोक विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया गया था।

दूसरी लेयर रिइनफोर्समेंट लर्निंग है। मॉडल के विकास के इस पोस्ट-ट्रेनिंग चरण के दौरान, मानव समीक्षक आउटपुट का मूल्यांकन करते हैं। लेकिन इन्हें तेजी से विशेषीकृत एआई शिक्षकों से बदला किया जा रहा है, जिनका उद्देश्य पहले से तय सिद्धांतों के अनुरूप मूल मॉडल को तैयार करना है।

तीसरी लेयर वेब-सर्च है। जब चैटबॉट्स ऑनलाइन खोज करते हैं या डिजिटल डेटाबेस तक पहुंचते हैं, तो रिट्रीवल-ऑगमेंटेड-जनरेशन प्रणालियां तय करती हैं कि मॉडल के उत्तर में कौन-सी जानकारी शामिल की जाए। लेकिन चैटबॉट के उत्तरों में विज्ञापनों के समावेश- जिसकी घोषणा चैटजीपीटी ने 2026 के लिए की है- से उनकी निष्पक्षता को लेकर अतिरिक्त चिंताएं पैदा होती हैं।

चौथी लेयर सिस्टम-प्रॉम्प्ट्स की है। चूंकि ये उस समय सक्रिय होते हैं जब कोई चैटबॉट उत्तर दे रहा होता है, इसलिए ये प्लेटफॉर्म्स को बिना पुनः-प्रशिक्षण के ही चैटबॉट के व्यवहार में बदलाव करने की अनुमति देते हैं।

उदाहरण के लिए, चूंकि ग्रोक का सिस्टम प्रॉम्प्ट पिछले वर्ष सार्वजनिक कर दिया गया था, इसलिए हमें पता है कि इसमें 'राजनीतिक रूप से गलत दावे करने से न हिचकें' जैसे निर्देश शामिल हैं। आखिरी लेयर सेफ्टी-फिल्टरों की है। किसी चैटबॉट क्वेरी के मॉडल तक पहुंचने से पहले इनपुट फिल्टर यह तय करते हैं कि वह स्वीकार्य है या नहीं।

इसी तरह, मॉडल द्वारा उत्तर तैयार करने के बाद भी आउटपुट फिल्टर आपके द्वारा देखने से पहले उसे संशोधित, सेंसर या परिष्कृत कर सकते हैं। ट्रम्प के शपथ-ग्रहण के बाद एपल ने अपने एआई प्रशिक्षण निर्देशों को अपडेट कर दिया था, ताकि मागा-समर्थकों को कट्टरपंथी के रूप में चिह्नित करने से बचा जा सके। पिछली गर्मियों में, रॉयटर्स ने पाया कि मेटा ने उन सुरक्षा उपायों में ढील दे दी थी, जो उसके चैटबॉट्स को नस्लवादी वक्तव्य देने से रोकते थे। गत वर्ष, ग्रोक ने दक्षिण अफ्रीका में गोरों के नरसंहार के अप्रमाणित और संदर्भ-विहीन दावों को बढ़ावा देना शुरू कर दिया (मस्क स्वयं एक गोरे दक्षिण अफ्रीकी हैं)।

चैटबॉट्स के माध्यम से राजनीतिक प्रभाव कायम करना पहले ही प्रभावी साबित हो चुका है। 2025 में नेचर में प्रकाशित एक अध्ययन ने दिखाया था कि किसी उम्मीदवार के पक्ष में दलीलें देने के लिए प्रशिक्षित चैटबॉट्स वोटरों को आसानी से प्रभावित कर सकते हैं।

हम एआई चैटबॉट्स के साथ वही गलती दोहरा रहे हैं, जो सोशल मीडिया के साथ की थी। ये चैटबॉट्स अब केवल मौजूदा इंफॉर्मेशन का संकलन ही नहीं कर रहे; वे उन्हें जनरेट भी करते हैं और उनका स्वरूप भी तय करते हैं।

(@ प्रोजेक्ट सिंडिकेट)

10-15 मिनट में महादेव घाट पहुंचेंगे, 45 हजार से ज्यादा वाहनों को मिलेगी राहत

दतरेंगा से अमलेश्वर पुल तक चौड़ी होगी सड़कः

रायपुर। रिंग रोड नंबर-2 पर भाठागांव व रायपुरा चौक के ट्रैफिक दबाव को कम करने निगम वैकल्पिक सड़क विकसित कर रहा है। पहले फेज में 1.04 किमी सड़क का निर्माण अंतिम चरण में है, जबकि दूसरे फेज में दतरेंगा से अमलेश्वर पुल तक चौड़ीकरण किया जाएगा। इससे महादेवघाट मार्ग पर लगने वाले जाम में कमी आएगी। निगम 3.43 करोड़ रुपए से भाठागांव से दतरेंगा मोड़ तक सड़क बना रहा है।

इस 1 किमी हिस्से में डामरीकरण का काम इसी माह पूरा होने की तैयारी में है। इसके बाद दूसरे फेज में 2.5 किमी सड़क का चौड़ीकरण किया जाएगा, जिसके लिए 2.33 करोड़ का ठेका दिया जा रहा है और इसकी टाइमलाइन मई 2027 तय की गई है।

महादेवघाट-रायपुरा मार्ग पर रोज 45 हजार से ज्यादा वाहन चलते हैं। मौजूदा सड़क संकरी होने से पीक आवर्स में रायपुरा चौक ब्रिज पार करने में 15-20 मिनट लगते हैं, जबकि पर्वों में 4 किमी दूरी तय करने में एक घंटे से ज्यादा समय लगता है।

नया मार्ग बनने के बाद यही दूरी 10-15 मिनट में तय हो सकेगी।अभी भाठागांव से आगे की सड़क जर्जर और बारिश में जलभराव वाली है, इसलिए लोग इसका कम उपयोग करते हैं। सड़क चौड़ी और बेहतर होने पर यह मुख्य वैकल्पिक मार्ग बन जाएगा।

दूसरे फेज से पहले बिजली पोल शिफ्टिंग के लिए निगम ने सीएसपीडीसीएल को करीब 35 लाख रुपए दे दिए हैं। यह मार्ग पुराना धमतरी रोड, पाटन-अमलेश्वर और संतोषीनगर जैसे इलाकों को सीधे जोड़ेगा। साथ ही 84 करोड़ के महादेवघाट रिवरफ्रंट और 18 करोड़ के हटकेश्वरनाथ कॉरिडोर के विकास के बाद इसकी उपयोगिता और बढ़ेगी। निगम ने एक अन्य वैकल्पिक मार्ग के लिए भी 30 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है।

इन रूटों को जुड़ सकेंगे लोग

1. पुराना धमतरी रोड से दतरेंगा होकर भाठागांव पहुंचने वाले अमलेश्वर पुल और महादेव घाट तक आसानी से जुड़ेंगे।

2. पाटन-अमलेश्वर से बस स्टैंड आने वाले लोग सीधे इस चौड़ी सड़क से आसानी से भाठागांव पहुंच सकते हैं।

3. रोजाना कामकाज को लेकर नगर घड़ी चौक, भाठागांव, पचपेड़ी या अन्य क्षेत्रों में जाने वाले लोग इस रूट का इस्तेमाल कर सकते हैं।

4. इसी तरह संतोषी नगर-मठपुरैना के लोग सीधे इस चौड़ी सड़क से महादेव घाट या अमलेश्वर के लिए जा सकते हैं।

इसलिए जरूरी है यह सड़क

रायपुरा- महादेवघाट मार्ग संकरा, रोज जाम की स्थिति। त्योहारों में 1 घंटे से ज्यादा लग जाता है। नया मार्ग बनने पर 10-15 मिनट में पहुंचना संभव।

पोल शिफ्टिंग के लिए राशि जारी, काम जल्द होगा

दूसरे फेज का काम इस मार्ग पर लगे बिजली के खंभों की शिफ्टिंग के बाद ही शुरू होगी। इसके लिए निगम ने सीएसपीडीसीएल को डिमांड के अनुसार करीब 35 लाख रुपए की राशि भी सौंप दी है। इसके लिए टेंडर होगा और शिफ्टिंग का काम पूरा होगा, तभी जाकर दूसरे फेज में सड़क चौड़ीकरण का काम शुरू हो पाएगा। इसके निर्माण के लिए मेसर्स नरेंश एंड कंपनी को ही ठेका मिला है।

डॉल्फिन ज्वेलो अपार्टमेंट की लिफ्ट में लगी आग...

रायपुर। रायपुर के खमतराई थाना क्षेत्र स्थित डॉल्फिन ज्वेलो अपार्टमेंट में शनिवार को अचानक आग लग गई। यह आग अपार्टमेंट की लिफ्ट में लगी। जिससे धुआं तेजी से पूरे परिसर में फैल गया। घटना के समय कई लोग अपने घरों में मौजूद थे। लेकिन समय रहते सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। जिससे बड़ा हादसा टल गया।

वहीं, भनपुरी स्थित तंबाखू गोदाम में आग लग गई। कचड़ा जलाने की वजह से कई सालों से बंद गोदाम में आग भड़क उठी। सूचना मिलने पर दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया है।

सिक्योरिटी गार्ड-कॉलोनीवासियों की मदद से बुझी आग

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, डॉल्फिन ज्वेलो अपार्टमेंट के लिफ्ट से पहले धुआं निकलता दिखाई दिया, जिसके बाद कुछ ही देर में आग भड़क उठी। सिक्योरिटी गार्ड ने तुरंत सतर्कता दिखाते हुए कॉलोनीवासियों को अलर्ट किया और आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। गार्ड और रहवासियों ने मिलकर फायर एक्सटिंग्विशर की मदद से आग पर काबू पाया।

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आग काफी हद तक नियंत्रित की जा चुकी थी। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि लिफ्ट पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है।

शॉर्ट-सर्किट की वजह से हादसा

शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने की वजह माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। घटना के बाद अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों में दहशत का माहौल है।

सट्टे का पैसा वसूल नहीं पा रहे प्रमोटरःगोवा से दुबई तक फैला है हवाला और क्रिप्टो का नेटवर्क

रायपुर। महादेव ऑनलाइन सट्टा मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की तैयारी में है। ईडी इस मामले में जल्द ही नया केस (ईसीआईआर) दर्ज करने वाली है। जांच एजेंसी ने रायपुर के राजेंद्र नगर थाने में 26 फरवरी को दर्ज मामले की डायरी तलब की है।

साथ ही, पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर इस मामले में आपराधिक साजिश (धारा 120बी) और जालसाजी (धारा 318) जैसी धाराएं जोड़ने का निर्देश दिया है, ताकि मनी लॉन्ड्रिंग के तहत ईडी स्वतः संज्ञान लेकर जांच शुरू कर सके। फिलहाल पुलिस ने जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। सट्टेबाजी का पैसा वसूलकर नए चैनल से दुबई हवाला किया जा रहा था। गोवा में पकड़े गए सटोरियों ने करीब 46500 यूएसडीटी (क्रिप्टो करेंसी) विदेश भेजा है। उनके खातों की जांच में 2 करोड़ रुपए का ट्रांजेक्शन और करोड़ों के विदेशी निवेश का पता चला है।

इसी वजह से ईडी इस मामले की जांच करेगी। इस संबंध में ईडी की टीम क्राइम ब्रांच और राजेंद्र नगर थाना भी पहुंची और आरोपियों के बारे में जानकारी ली। पुलिस के अनुसार कोरबा निवासी प्रतीक विधवानी अमलीडीह के सैंकी दवेड़ा के साथ सट्टे का बड़ा नेटवर्क चला रहा था। पहले वह पैनल लेकर सट्टा संचालित करता था, बाद में महादेव सट्टा के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल से जुड़ गया। उनके माध्यम से पैनल लेकर वसूली करने लगा। इसके लिए उसने धनंजय वैष्णव, प्रमोद ओरके (कोरबा), साकेत जगवानी (बिलासपुर), प्रकाश चंद्र मिरी (जांजगीर) और शंकर राम (मधुबनी, बिहार) को 20-20 हजार रुपए में कर्मचारी रखा था और उन्हें गोवा शिफ्ट कर दिया था।

जल संकट : लो प्रेशर, बोर सूखे, भूजल गिरा...

इससे किल्लत, अप्रैल में ही टैंकरों के भरोसे लोग

रायपुर। शहर में अप्रैल की तेज गर्मी के साथ ही पेयजल संकट गहराने लगा है। बोरवेल सूखने लगे हैं और अधिकतर वार्डों में नलों का प्रेशर गिर गया है, जिससे टेल एंड तक पानी नहीं पहुंच पा रहा। जोन-9 के वार्ड सबसे ज्यादा प्रभावित हैं, जहां रोजाना टैंकरों से सप्लाई करनी पड़ रही है और पानी के लिए लोगों की भीड़ जुट रही है।

लाभांडी, खम्हारडीह, कचना, दलदल सिवनी, सड्?डू, हीरापुर,मोवा और जोरा समेत कई इलाकों में पानी की किल्लत शुरू हो गई है। शहर के आउटर क्षेत्रों की सोसायटियों और मोहल्लों में टैंकरों के फेरे लगातार बढ़ रहे हैं।

स्थिति यह है कि शहर के अधिकांश वार्डों में पानी लो प्रेशर से आ रहा है, जबकि टेल एंड तक सप्लाई पहुंच ही नहीं पा रही। कुछ बड़े इलाके ऐसे भी हैं जहां पानी टंकी तो बन गई, लेकिन पाइपलाइन अब तक नहीं बिछ पाई है। ऐसे में पुरानी टंकियों से ही सप्लाई हो रही है, जिससे प्रेशर और कम हो रहा है।

की पड़ताल में सामने आया कि चंगोराभाठा के करन नगर, ब्रह्मदेव नगर (लाभांडी), कचना के स्वास्तिक नगर, पं. रविशंकर शुक्ल वार्ड के यादवपारा, धोबीपारा और अर्जुन चौक समेत कई क्षेत्रों में पानी बेहद कम प्रेशर से मिल रहा है।

छोटे टैंकरों से पूरी कर रहे जरूरत

लाभांडी के ब्रह्मदेव नगर में कई सालों से पेयजल संकट बना हुआ है। यहां के लोग सार्वजनिक बोर से छोटे टैंकों में पानी भरकर जरूरत पूरी करते हैं। निवासी सुभाष साहू के मुताबिक हर साल भूजल स्तर गिरने से बोरवेल का पानी भी कम हो गया है।

टैंकर पहुंचते ही भीड़ लग जाती है और कई बार विवाद की स्थिति भी बनती है। जोरा और चंगोराभाठा के रहवासियों ने बताया कि गर्मी शुरू होते ही हर साल यही समस्या सामने आती है। कई बार पहले से शिकायत करने के बावजूद समाधान नहीं होता।

ऐसे भी समझें

भूजल स्तर गिरना और पाइपलाइन नेटवर्क अधूरा होना मुख्य वजह।

टेल एंड एरिया सबसे ज्यादा प्रभावित, सप्लाई पहुंच ही नहीं रही।

हर साल गर्मी में दोहराई जा रही समस्या, स्थायी समाधान नहीं।

टैंकर पर बढ़ती निर्भरता से लागत-विवाद बढ़ रहे।

शहर में किन वार्डों में पानी की समस्या है उसकी रिपोर्ट रोज ली जा रही है। एमआईसी सदस्यों के नेतृत्व में अधिकारियों की टीम भी बना दी है। जरूरत के अनुसार पाइपलाइन बिछाने के साथ ही टैंकरों से पानी की सप्लाई कर रहे हैं। **-मीनल चौबे, महापौर**

किराए पर उपलब्ध है

तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।

संपर्क-9302222222

अभनपुर मर्डर मिस्ट्री का खुलासा, जिससे इश्क किया उसी ने जिंदा दफन कराया

रायपुर। माइकल का घर पास में ही था। वह फावड़ा लेकर आया। इसके बाद भरेंगाभाठा के पास बने गड्ढे में उसे फेंक दिया। ऊपर से मिट्टी भर दिया। बताया जाता है कि नितेश की उस वक्त सांसें चल रही थी।

ञ्चनारद योगी। अभनपुर मर्डर मिस्ट्री का खुलासा हो गया। पाकिस्तान मूल के युवक ने जिससे इश्क किया था, उसी युवती ने उसे जिंदा दफन करवा दिया था। प्रारंभ में मामला लव ट्राएंगल का था, लेकिन बाद में युवती अपने पहले प्रेमी के साथ मिल गई। फिर दूसरे प्रेमी की हत्या करवा दी। पुलिस ने आरोपी युवती सहित 5 आरोपियों को पकड़ा है। एक अन्य आरोपी फरार है। उसकी तलाश की जा रही है।

मामले का खुलासा करते हुए रायपुर ग्रामीण एसपी श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा ने बताया कि माना इलाके से लापता हुए नितेश बत्रा की लाश अभनपुर के भरेंगाभाठा में मिली थी। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि नितेश की माना के टेमरी में रहने वाली सावित्री साहू से बातचीत होती थी। पुलिस सावित्री के घर पहुंची, तो वह गायब थी।

युद्ध का असर से लकड़ी से लेकर लोहा-स्टील महंगा, डायग्नोस्टिक मशीनें 50 लाख तक महंगी

रायपुर। स्टील निर्माण के लिए जरूरी सामग्री सिलिको मैगनीज 10 हजार रुपए टन महंगा हो चुका है। राजधानी के स्टील ट्रेडर्स प्रेमकुमार बताते हैं कि पांच दिन के भीतर सरिया की कीमतें 2500 रुपए चिल्हर में महंगी हो चुकी है।

युद्ध का असर से लकड़ी से लेकर लोहा-स्टील महंगा, डायग्नोस्टिक मशीनें 50 लाख तक महंगी

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और अमरीका-ईरान-इजराइल युद्ध ने आम आदमी की जिंदगी पर सीधा असर डालना शुरू कर दिया है। इसका असर सिर्फ अंतरराष्ट्रीय राजनीति तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बाजार, अस्पताल, इलाज से लेकर किचन तक महंगाई की आंच पहुंच गई है। एलपीजी संकट की वजह से लकड़ी से लेकर लोहा महंगा हो चुका है। स्टील, स्क्रैप के महंगे होने की वजह से इंफ्रास्ट्रक्चर की लागत बढ़ चुकी है।

मेडिकल उपकरण, दवाइयों, लोहा-स्टील और ड्राई फ्रूट्स, हर सेक्टर में कीमतों में तेजी दर्ज की गई है। युद्ध का असर हेल्थ सेक्टर पर भी दिख रहा है, जहां पेट सीटी, एमआरआई और सीटी स्कैन जैसी हाईटेक मशीनें, जो अमरीका, जर्मनी और जापान से आयात होती हैं, उनकी कीमतों में 50 लाख रुपए तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि ये मशीनें समय पर अस्पतालों तक पहुंच भी नहीं पा रही हैं, जिससे मरीजों के इलाज में देरी और दिक्कतें बढ़ चुकी हैं। बाजार के हर सेक्टर में इस युद्ध का असर देखा जा रहा है। एलपीजी की किल्लत ने इंडक्शन की कीमतें बढ़ा दी है।

विदेशों से नहीं पहुंच रहा स्क्रैप

स्टील बनाने के लिए जरूरी स्क्रैप मटेरियल राज्य के उद्योगों तक नहीं पहुंच पा रहा है।

औद्योगिक संगठनों के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया, साउथ आफ्रीका, दुबई और मिडिल ईस्ट से आने वाले स्क्रैप का आयात प्रभावित हुआ है। स्टील निर्माण के लिए जरूरी सामग्री सिलिको मैगनीज 10 हजार रुपए टन महंगा हो चुका है। राजधानी के स्टील ट्रेडर्स प्रेमकुमार बताते हैं कि पांच दिन के भीतर सरिया की कीमतें 2500 रुपए चिल्हर में महंगी हो चुकी है। वर्तमान में कीमतें 58 से 62 हजार रुपए प्रति टन बनी हुई हैं।.

ईरानी काजू, बादाम ड्राईफ्रूट्स महंगे, फलों में महंगाई

ईरान युद्ध ने न सिर्फ उद्योगपतियों बल्कि आम नागरिकों पर भी असर डाला है। एलपीजी के संकट के बाद ड्राईफ्रूट्स में प्रति किलो 300 से 400 रुपए की बढ़ोतरी हो चुकी है। ईरान और दुबई से आने वाले ड्राई फ्रूट्स और इंपोर्टेड फलों की कीमतों में 10 से 25 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है। पिस्ता मगज, अंजीर, हींग, मामरा बादाम, पिस्ता, खजूर और बादाम की कीमतें 25 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है,वहीं ईरानी रिंग, खुबानी, शाहजीरा मुनक्का, खजूर में भी 10 से 18 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है। पिस्ता, खजूर, और अंजीर जैसे उत्पादों की कीमतों की डिमांड ज्यादा और सप्लाई कम है। बादाम 1200, अंजीर 1600, खुबानी 800 रुपए प्रति किलो बिक रही है। न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया से आने वाले सेब की कीमतों में 50 से 80 रुपये किलो तक महंगाई देखी जा रही है।

लकड़ी 100 रुपए क्विंटल महंगी

एलपीजी संकट के बाद लकड़ी थोक व चिल्हर में 100 रुपए प्रति क्विंटल महंगी हो चुकी है। इससे पहले लकड़ी 800 से 900 रुपये प्रति क्विंटल थी, जो कि वर्तमान में 1000 रुपये प्रति क्विंटल हो चुकी है। मठपुरैना के कारोबारी मो. रज्जाक ने बताया कि एलपीजी संकट के बाद लकड़ी की डिमांड बढ़ी है। हम वन विभाग से टेंडर के जरिए लकड़ी लेते हैं। चिल्हर में मांग बढ़ चुकी है।

युद्ध का असर शिक्षा पर, विदेश भेजने से घबरा रहे परिजन

विदेश में पढ़ाई का सपना संजोने वाले छात्रों के लिए इस समय हालात पहले जैसे नहीं रहे। खासकर अमरीका, ईरान और यूएई के बीच बढ़ते तनाव ने फॉरेन स्टडी के पूरे परिदृश्य को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। फारेन स्टडी एक्सपर्ट अश्विनी कुमार ने बताया कि हर साल रायपुर से 200 से अधिक छात्र पढ़ाई के लिए विदेश जाते है।

परीक्षा में फिर लापरवाही, छात्र-छात्राओं की संख्या से कम पहुंचे प्रश्नपत्र

रायपुर। एक स्कूल के शिक्षक ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि मेरे स्कूल में 24 छात्र-छात्राएं है, लेकिन प्रश्न पत्र केवल 4 दिए गए। बाकी छात्र-छात्राओं के लिए परीक्षा शुरू होने से पहले ही हमें प्रश्न पत्र की फोटोकॉपी करानी पड़ी।

ञ्चअनुराग सिंह। राजधानी रायपुर में स्थानीय परीक्षाएं अभी जारी हैं, लेकिन इसमें भी विभाग द्वारा लापरवाही की जा रही है। स्कूलों में छात्र-छात्राओं की संख्या से कम प्रश्न पत्र दिए जा रहे हैं। गुरुवार को छठी कक्षा के पेपर में भी यहीं स्थिति देखने को मिली जब शिक्षकों को परीक्षा शुरू होने से पहले प्रश्न पत्रों की फोटो कॉपी करवानी पड़ी। कई स्कूलों में तो संख्या से 10 से 20 फीसदी ही प्रश्न पत्र दिए गए। कुछ शिक्षकों ने बताया कि प्रश्न पत्र देते समय कह दिया गया था कि प्रश्न पत्र की फोटो कॉपी करा कर परीक्षा लें। बड़ा सवाल ये है कि विभाग के पास स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के डेटा होने के बाद यह स्थिति क्यों निर्मित हुई।

कुछ स्कूलों के साथ भेदभाव

एक स्कूल के शिक्षक ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि मेरे स्कूल में 24 छात्र-छात्राएं है, लेकिन प्रश्न पत्र केवल 4 दिए गए। बाकी छात्र-छात्राओं के लिए परीक्षा शुरू होने से पहले ही हमें प्रश्न पत्र की फोटोकॉपी करानी पड़ी। यह स्थिति केवल ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति स्कूलों में ही है। शहरी क्षेत्रों में स्थित स्कूलों में स्थिति काफी अच्छी है। कई जगह तो प्रश्न पत्र पड़े रहे। विभाग की ओर से कुछ स्कूलों के साथ भेदभाव किया जा रहा है।

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन शुभ रहने वाला है. धन संपत्ति में निवेश के लिए समय अच्छा है और जमीन-जायदाद से जुड़े मामले सुलझ सकते हैं. दांपत्य जीवन का तनाव दूर होगा. उच्च आत्मविश्वास के कारण आप हर कार्य को पूरा करेंगे. मां के साथ मधुर संबंध रहेंगे. शत्रु आपकी प्रगति में बाधा डालने की कोशिश करेंगे, इसलिए सतर्क रहें. जीवनसाथी की सेहत में गिरावट चिंता का कारण बन सकती है.

वृषभ। आज खर्चों में बढ़ोतरी के कारण आप थोड़े परेशान रह सकते हैं. अनावश्यक खर्चों को नियंत्रित करने की कोशिश असफल हो सकती है. वैवाहिक जीवन का पुराना तनाव दूर होगा और प्रेम बढ़ेगा. लव लाइफ में पार्टनर के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जा सकते हैं. यदि स्वास्थ्य खराब चल रहा था, तो सुधार होगा. घर में मेहमानों के आने से रौनक रहेगी और किसी मांगलिक कार्य में शामिल होने का अवसर मिलेगा.

मिथुन। आज का दिन मिलाजुला रहेगा. आय और व्यय के बीच संतुलन बनाने में आप सफल रहेंगे. यात्रा और पारिवारिक कारणों से धन खर्च हो सकता है. बच्चे के करियर को लेकर अच्छी खबर मिल सकती है. परिवार के वरिष्ठ सदस्य से मार्गदर्शन मिलेगा. कार्यस्थल पर वर्कलोड बढ़ सकता है जिससे परिवार के लिए समय निकालना मुश्किल होगा. वाहन चलाते समय विशेष सावधानी रखें. .

कर्क। आज का दिन उत्तम रहेगा. नौकरी और कारोबार में स्थिति बेहतर होगी. काम की तलाश कर रहे लोगों को सफलता मिलेगी. लापरवाही न बरतें और काम के प्रति गंभीर रहें. सहकर्मियों से तालमेल अच्छा रहेगा. राजनीतिक क्षेत्र के लोगों को मेहनत का शुभ फल मिलेगा. परिवार के सदस्यों के करियर से जुड़ा कोई भी फैसला जल्दबाजी या भावुकता में न लें. सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. सेहत को लेकर किसी भी तरह की अनदेखी करना भारी पड़ सकता है।

सिंह। आज का दिन संघर्षपूर्ण रह सकता है. बिजनेस में अच्छा मुनाफा कमाने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी. आर्थिक समस्याओं के बीच कमाई का नया स्रोत मिल सकता है. विदेश जाने के प्रयास सफल होंगे. राजनीतिक क्षेत्र के लोगों को संयम और वाणी पर नियंत्रण रखना होगा. निवेश के लिए दिन जोखिम भरा हो सकता है, पैसा फंसने की संभावना है. काम की अधिकता से थकान होगी लेकिन रुके हुए काम पूरे हो जाएंगे.

कन्या। आज का दिन अनुकूल रहेगा. अपनी बुद्धि और क्षमता का पूरा इस्तेमाल करें, फायदा होगा. विरोधियों से सतर्क रहने की जरूरत है. कार्यस्थल पर बिना सोचे-समझे किसी से कुछ न कहें. पिता से सहयोग मिलेगा. छात्रों के लिए दिन उत्साहवर्धक है. यदि किसी को उधार दिया था, तो वह पैसा वापस मिल सकता है. लव लाइफ में मतभेद हो सकते हैं, इसलिए अपनी वाणी और क्रोध पर नियंत्रण रखें.

तुला।आज का दिन बेहतरीन रहेगा. बिजनेस में अच्छी कमाई होगी. साझेदारों और सहयोगियों से पूरा सहयोग मिलेगा. नई पार्टनरशिप लाभकारी रहेगी. सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेने का मौका मिलेगा. नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन मिलने से खुशी होगी. जीवनसाथी का सानिध्य मन को खुश रखेगा. मौसम के बदलाव के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है, सर्दी-खांसी से बचें.

वृश्चिक। आज का दिन परेशानियां लेकर आ सकता है. कोई बड़ा निवेश न करें, नुकसान हो सकता है. नौकरीपेशा लोग ध्यान देकर काम करें, अधिकारी नजर बनाए रखेंगे. यात्रा पर सतर्क रहें और कीमती सामान का ध्यान रखें. जीवनसाथी की सलाह कारगर साबित होगी. प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात भविष्य के द्वार खोलेगी. शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए समय सुखद है और संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा.

धनु। आज का दिन अत्यंत फलदायी है. मेहनत का पूरा लाभ मिलेगा. नौकरीपेशा लोग सतर्क रहें, गलती पर टोका जा सकता है. मित्र से विवाद बातचीत से सुलझाएं. अविवाहितों के लिए विवाह के अच्छे प्रस्ताव आएंगे. राजनीतिक क्षेत्र के लोगों को सम्मान मिल सकता है. हालांकि, नए शत्रु पैदा हो सकते हैं, इसलिए अपनी योजनाओं को गुप्त रखें और पार्टनर से विवाद से बचें. उनकी कोशिशें आज रंग लाएंगी. सामाजिक क्षेत्र में आपकी ख्याति बढ़ेगी और कुछ नया करने का अवसर मिलेगा.

मकर। आज का दिन खुशियों भरा रहने वाला है. नया वाहन, मकान या दुकान खरीदने के प्रयास सफल होंगे. परिवार से अपेक्षित सहयोग मिलेगा. रुके हुए काम पूरे होंगे. परिवार में सदस्य की सफलता से आनंद का माहौल रहेगा. धर्म कर्म के कार्यों में भाग लेंगे. दोस्तों के साथ मनोरंजन और सुरुचिपूर्ण भोजन का आनंद लेंगे. वाहन चलाते समय सावधानी बरतना अनिवार्य है. जीवनसाथी को शॉपिंग पर ले जाना पड़ सकता है. नया कारोबार शुरू करने के लिए दिन उत्तम है.

कुंभ। आज का दिन अत्यंत शुभ फलदायी है. बिजनेस में मनचाहा मुनाफा मिलने से खुशी होगी. कार्यस्थल पर शत्रुओं को मात देने में सफल रहेंगे. भाई-बहनों के साथ घूमने का प्लान बन सकता है. नौकरी में सहयोगियों के काम पर नजर रखें. प्रॉपर्टी के काम में लाभ मिलेगा, लेकिन कागजों पर बिना पढ़े हस्ताक्षर न करें. किसी मित्र को सोच-समझकर ही कोई वादा करें. आय के एक से अधिक स्रोत बनेंगे. धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी और किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात भविष्य में काम आएगी.

मीन। स्वास्थ्य की दृष्टि से दिन अनुकूल है. काम के प्रति उत्साहित रहेंगे और रुचिकर भोजन का आनंद लेंगे. धन संबंधी समस्याओं से काफी हद तक राहत मिलेगी. उधार दिया पैसा वापस मिल सकता है. भाइयों और ससुराल पक्ष से सहयोग मिलेगा. छात्रों को मानसिक बोझ से राहत मिलेगी और प्रतियोगिता में सफलता हासिल होगी. धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी. अपने आसपास के गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें, वे आपकी छवि बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं. जीवनसाथी के साथ विवाद से बचें. दांपत्य जीवन सुखद रहेगा और जीवनसाथी के लिए खरीदारी कर सकते हैं. सरकारी क्षेत्र से बड़े लाभ मिलने की प्रबल संभावना है ।

गैस के लिए लोगों ने रात 11 बजे से लगाई लाइन, 10.30 घंटा खड़े रहे, नहीं मिली तो टूटा सब्र

रांची। राजधानी रांची में गैस सिलेंडर की भारी किल्लत ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। घंटों लाइन में खड़ा रहने के बावजूद लोगों को गैस नहीं मिल पा रहा है। शुक्रवार को चुटिया मंडा महादेव मंदिर के सामने लाइन में खड़े लोगों को गैस नहीं मिल पाया।

यहां गैस के लिए गुरुवार रात 11 बजे ही लाइन लगनी शुरू हो गई थी। शुक्रवार सुबह 8.30 बजे लोगों को गैस मिलना था, पर 9.30 बजे तक गैस बंटता न देख लोगों का सब्र जवाब दे गया और सड़क जाम ?कर डाली। 200 से ज्यादा लोग खाली सिलेंडर लेकर चुटिया क्षेत्र में सड़क पर उतर आए। जाम हटाने के लिए प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

कतार में खड़े लोगों ने बताया कि नंबर लगाने और डीएससी मिलने के बाद भी 15-20 दिन तक गैस नहीं मिल रही है। शहर के अन्य इलाकों में भी ऐसे दृश्य आम हैं। कोकर और रातू रोड जैसे इलाकों में भी लोग तड़के लाइन में खड़े हो जा रहे हैं, लेकिन कई बार गैस की गाड़ी ही नहीं पहुंच रही। लोग परेशान हैं। लोगों का कहना है कि प्रशासन होम डिलीवरी की बात कर रहा है, पर होम डिलीवरी हो नहीं पा रही है। गोदाम से गैस मिल नहीं रहा है। प्वाइंट से खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। लोगों का कहना है ?कि ऐसे में गैस के लिए हम कहां जाएं।

बेटे का बर्थडे है, नहीं मिली गैस

चुटिया में लाइन में खड़ी एक महिला ने बताया कि आज बेटे का जन्मदिन है, गैस मिल जाए तो पनीर की सब्जी बन जाएगी। पर उनका यह सपना पूरा नहीं हो पाया। वह मायूस दिखीं। उनके जैसे सैकड़ों लोग घंटों इंतजार के बाद भी खाली हाथ लौटे। कई घरों में खाना नहीं बन पा रहा है।

रात में पिता लग रहे लाइन, दिन में बच्चे

गैस के लिए लोगों को लंबी लाइन में खड़ा होना पड़ रहा है। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि अब परिवारों ने खुद को 'ड्यूटी' में बांट लिया है। रात में पिता लाइन में खड़े हो रहे हैं, तो दिन में मां और बच्चे। कई लोगों का कहना है कि वे कई दिनों से ढंग से सो नहीं पाए हैं। कभी देर रात तो कभी तड़के ि?सलेंडर लेकर निकल जाना पड़ रहा है। लोगों ने इंद्रप्रस्थ गैस एजेंसी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि एजेंसी ब्लैक में तीन गुना अधिक कीमत पर सिलेंडर बेच रही है।

लोगों ने बयां किया अपना दर्द

राजाहाता हरमू रोड निवासी आनंद केसरी का कहना है कि 19 मार्च को बुकिंग और डीएसी नंबर आने के बाद भी उरांव गैस एजेंसी से अभी तक गैस सिलेंडर नहीं मिल पाया है।

थड़पखना के दिनेश कुमार ने कहा कि 17 दिन पहले डीएसी नंबर मिला, इसके बाद काफी मशक्कत भी की लेकिन उरांव गैस एजेंसी से गैस नहीं मिल पाई है।

चुटिया के कुमार राजेश ने कहा कि 20 दिन पहले डीएसी नंबर इंद्रप्रस्थ गैस से मिला, लेकिन अभी तक गैस नहीं मिल पाई है। फोन करने पर कोई पिक नहीं करता।

पैनिक बुकिंग जारी, 80 हजार से ज्यादा बैकलॉग कई गैस एजेंसी वालों ने कहा कि पैनिक बुकिंग अभी भी खूब हो रही है। सामान्य दिनों की तुलना में 50 प्रतिशत ज्यादा बुकिंग है।

राज्यपाल ने लोकभवन में चित्रपट झारखंड फिल्म फेस्टिवल के पोस्टर का किया विमोचन

रांची। राज्यपाल संतोष गंगवार ने लोकभवन में शुक्रवार को 'चित्रपट झारखंड फिल्म फेस्टिवल- 2026' के पोस्टर का विमोचन किया। चित्रपट झारखंड द्वारा आयोजित यह महोत्सव 26, 27 और 28 जून को सरला बिरला विवि, टाटीसिल्वे रांची में होगा। इसका उद्देश्य राज्य के युवा फिल्म निर्माताओं को एक मंच देना और क्षेत्रीय सिनेमा को बढ़ावा देना है।

महोत्सव में केवल झारखंड के फिल्मकार भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता की तीन श्रेणियां हैं- लघु फिल्म (20 मिनट), वृत्तचित्र (30 मिनट) और परिसर फिल्म (15 मिनट)। पंजीकरण शुल्क 250 से 500 रु. है, जबकि विद्यार्थियों के लिए विशेष रियायत दी गई है। फिल्में 12 विषयों पर आधारित होंगी। एक जुलाई 2023 के बाद बनी फिल्मों को ही मान्यता मिलेगी। प्रविष्टि की अंतिम तिथि 7 जून है और चयनित फिल्मों की सूची 15 जून को जारी होगी। विजेताओं के लिए कुल 2.70 लाख रु. के पुरस्कार रखे गए हैं। यह जानकारी नवीन सहाय ने दी। मौके पर आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर, विभाग संपर्क प्रमुख भानु जालान, स्निग्ध रंजन, चित्रपट झारखंड के अध्यक्ष नंद कुमार सिंह तथा सुमित मित्तल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

केंद्र के सबसे चहेते सीएम की नीति फूट डालो-शासन करो, हम दिलाएंगे टी ट्राइब को हक : हेमंत सोरेन

रांची। मुख्यमंत्री एवं झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को बोरचल्ला में झामुमो प्रत्याशी अब्दुल मजान, रोगोनाडी और दुलियाजान में प्रत्याशी पीटर मिंज के पक्ष में चुनावी सभा की। इस मौके पर हेमंत ने कहा कि डबल इंजन की सरकार के सबसे चहेते मुख्यमंत्री असम के हैं। इनकी नीति है फूट डालो और शासन करो। झामुमो का जन्म आदिवासी, दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए हुआ है।

सोरेन ने असम के चाय बागानों में रहने वाले मजदूरों, किसानों और आदिवासी समुदाय की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षों से उन्हें सुनियोजित तरीके से उपेक्षित रखा गया है। उन्होंने कहा कि असम की अर्थव्यवस्था चाय बागानों पर टिकी है, लेकिन उन्हीं बागानों में काम करने वाले मजदूरों को बेहद कम मजदूरी मिलती है, जो उनके जीवन-निर्वाह के लिए पर्याप्त नहीं है। उन्होंने मजदूरी बढ़ाने और श्रमिकों को सम्मानजनक जीवन देने की आवश्यकता पर जोर दिया। कहा- झामुमो इन्हें हक दिलाने का काम करेगा।

एनआरसी और सीएए के जरिये विभाजन पैदा करती है भाजपा

मुख्यमंत्री ने केंद्र और राज्य की सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा की नीतियां समाज को बांटती हैं। एनआरसी और सीएए आदि के माध्यम से लोगों के बीच विभाजन पैदा किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आम जनता की बजाय अपने चंद व्यापारी साथियों के हितों को प्राथमिकता देती है और टैक्स के पैसे का दुरुपयोग करती है। चुनाव के समय महिलाओं के खाते में 9000 रुपए की आर्थिक सहायता देने पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्या पांच वर्ष के लिए यह पैसा काफी है।

नहीं मिले यात्री, इंडिगो की चार में से दो फ्लाइट कैंसिल

रांची। खाड़ी में युद्ध का असर अब रांची से हवाई यात्रा पर साफ दिखने लगा है। रांची से दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे प्रमुख शहरों के लिए हवाई किराया 35% तक महंगा हो गया है। टिकट दरों में अचानक आई बढ़ोतरी ने लोगों को अपने ट्रैवल शिड्यूल में बदलाव करने पर मजबूर कर दिया है।

लोग ट्रेन को प्राथमिकता दे रहे हैं। विमान से सफर करनेवाले घट रहे हैं। गुरुवार को पर्याप्त यात्री नहीं मिलने पर इंडिगो की चार में से केवल दो विमानों ने कोलकाता के लिए उड़ान भरी। शुक्रवार को तो हाल ऐसा रहा कि यात्री नहीं मिलने पर कोलकाता जानेवाली रात की अंतिम फ्लाइट के लिए किराया अंतिम समय में दो हजार रुपए घटाना पड़ा।

विमानन कंपनियों के अधिकारियों का कहना है कि कम यात्रियों की स्थिति में कभी-कभी छोटे विमानों को रद्द कर अधिक क्षमता वाले विमान से उड़ान भरी जा रही है। कोलकाता के लिए पहले सामान्य किराया 3500 रुपए था। अब सामान्य सस्ता किराया ही 6000 रुपए हो गया है। ऐसे में लोग अपना ट्रैवल का माध्यम बदल दे रहे हैं। जिसके कारण विमानों में यात्री कम हो गए हैं।

रांची एयरपोर्ट से कई उड़ानें देरी से रवाना, लोग परेशान

ऑपरेशनल कारणों के चलते शुक्रवार को रांची एयरपोर्ट से कई उड़ानें देरी से रवाना हुईं। सुबह बेंगलुरु जाने वाली इंडिगो की उड़ान करीब आधे घंटे की देरी से उड़ी। वहीं दिल्ली और बेंगलुरु जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ानें भी लगभग 30 मिनट विलंब से रवाना हुईं। दोपहर 1:40 बजे मुंबई के लिए निर्धारित उड़ान करीब एक घंटे देर से प्रस्थान कर सकी। इसके बाद दिल्ली जाने वाली इंडिगो की दो उड़ानें और अहमदाबाद जाने वाली एक उड़ान भी करीब आधे घंटे की देरी से उड़ीं। रात में दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान भी लगभग एक घंटे विलंब से रवाना हुई। यात्रियों को एयरपोर्ट पर इंतजार करना पड़ा।

किस ट्रेन में कितनी वेटिंग

18616 क्रिया योगा एक्सप्रेस 7 अप्रैल तक सभी श्रेणियों में वेटिंग, 12 अप्रैल तक एसी बोगियों में

20898 वंदे भारत एक्सप्रेस 6 अप्रैल तक वेटिंग, ईसी क्लास में 10 अप्रैल तक सीमित सीटें

12877 रांची गरीब रथ पूरे अप्रैल में लंबी वेटिंग, 8 मई तक आरएसी/ वेटिंग

20839 राजधानी एक्सप्रेस 25 अप्रैल तक लंबी वेटिंग, कुछ दिनों में आरएसी

18451 तपस्विनी एक्सप्रेस 11 अप्रैल तक वेटिंग/ आरएसी, इसके बाद भी कम सीटें

प्रीमियम ट्रेनों में दो हफ्तों की लंबी वेटिंग

हवाई किराए में बढ़ोतरी का सीधा असर अब ट्रेनों पर साफ दिखने लगा है। क्रिया योगा एक्सप्रेस, रांची गरीब रथ, राजधानी एक्सप्रेस और वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी प्रीमियम ट्रेनों में अप्रैल के शुरुआती दो हफ्तों के लिए लंबी वेटिंग लिस्ट चल रही है। यात्री पहले से बुकिंग कराने के बावजूद कन्फर्म टिकट पाने में असमर्थ हैं। सीमित सीटों और बढ़ती मांग के कारण ट्रेनों में दबाव बढ़ गया है।

आयुष्मानः भुगतान महीने भर से है बंद, रांची में 5 करोड़ बकाया

रांची। आयुष्मान भारत-मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत राज्य के अस्पतालों को क्लेम भुगतान में देरी हो रही है। पिछले एक माह से अधिक समय से न तो निजी अस्पतालों को राशि मिल रही है और न ही सरकारी संस्थानों को भुगतान किया गया है।

इस स्थिति ने स्वास्थ्य सेवाओं पर सीधा असर डालना शुरू कर दिया है। चालू वित्तीय वर्ष का प्रीमियम अबतक स्वास्थ्य विभाग द्वारा बीमा कंपनी को नहीं दिया गया है। इसके कारण बीमा कंपनी ने अस्पतालों के क्लेम का भुगतान रोक दिया है। स्वास्थ्य योजनाओं की निरंतरता के लिए यह भुगतान जरूरी होता है, लेकिन इसमें देरी से पूरी प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। भुगतान लंबित रहने के कारण कई निजी अस्पतालों ने आयुष्मान योजना के तहत मरीजों को भर्ती करने में आनाकानी शुरू कर दी है। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि अक्सर विभागीय देरी का आर्थिक बोझ उन्हें उठाना पड़ता है, जिससे संचालन प्रभावित होता है। राज्यभर के अस्पतालों के 25-30 करोड़ रु. बकाया सिर्फ रांची जिले में पिछले एक माह में 5 करोड़ रुपए से अधिक का क्लेम बकाया है। वहीं पूरे राज्य में यह राशि 25 से 30 करोड़ रुपए के बीच बताई जा रही है। यह लंबित भुगतान अस्पतालों की वित्तीय स्थिति पर दबाव बना रहा है। दूसरी ओर, निजी अस्पतालों का एचईएम 2.0 पोर्टल पर माइग्रेशन भी जारी है। तकनीकी प्रक्रिया के कारण भी कई अस्पतालों के क्लेम अटके हुए हैं, जिससे समस्या और बढ़ गई है। मामले में स्थिति स्पष्ट करने के लिए स्टेट आरोग्य सोसायटी के अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन बात नहीं हो सकी।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

9		6		1	3			8
	5	8					9	
	3						1	
	6		8			9	2	
		3	4		9	1		
	4	9			6		3	
	9						8	
	1					6	7	
4			9	6		3		1

पिछले अंक का उत्तर

9	7	6	5	1	3	2	4	8
1	5	8	6	4	2	7	9	3
2	3	4	7	9	8	5	1	6
7	6	1	8	3	5	9	2	4
8	2	3	4	7	9	1	6	5
5	4	9	1	2	6	8	3	7
6	9	7	3	5	1	4	8	2
3	1	5	2	8	4	6	7	9
4	8	2	9	6	7	3	5	1

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख़्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

झारखंड में 9 अप्रैल तक आंधी-बारिश : रांची, गढ़वा सहित 14 जिले में यलो अलर्ट

रांची। रांची सहित झारखंड के अधिकांश हिस्सों में शुक्रवार को मौसम ने अचानक करवट ले ली। दिनभर चिलचिलाती धूप और उमस भरी गर्मी के बाद शाम होते ही आसमान में बादल छा गए और बारिश शुरू हो गई। राजधानी रांची में यह बारिश रात करीब नौ बजे तक जारी रही।

मूसलाधार बारिश के कारण कई गली-मोहल्लों में जलजमाव की स्थिति बन गई, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा।

मौसम विभाग के अनुसार, रांची में करीब आठ मिमी बारिश दर्ज की गई। अचानक बदले मौसम ने जहां एक ओर लोगों को गर्मी से राहत दी।

निम्न दबाव और साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव और साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण राज्य में मौसम में यह बदलाव आया है। विभाग ने बताया कि अगले पांच दिनों तक इसी तरह का मौसम बना रहेगा। इस दौरान कई जिलों में आंधी के साथ बारिश और ओलावृष्टि की भी संभावना जताई गई है।

पंजाब ने टी-20 में भारत का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा : 9वीं बार 200+ चेज किए, चेन्नई ने IPL में 36वीं बार 200 रन बनाए

चेन्नई। IPL के 7वें मैच में पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 5 विकेट से हरा दिया। चेपॉक में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने 5 विकेट पर 208 रन बनाए। टीम के लिए आयुष म्हात्रे ने 73 रन की पारी खेली, हालांकि उन्हें दो बार जीवनदान भी मिला।

जवाब में पंजाब ने 18.4 ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ पंजाब ने टी-20 क्रिकेट में भारत का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ते हुए 9वीं बार 200+ रनचेज किया। वहीं चेन्नई ने इस मैच में 36वीं बार 200+ स्कोर बनाया।

1. पंजाब ने 9वीं बार 200+ रनचेज किया

पंजाब किंग्स ने टी-20 क्रिकेट में भारत का रिकॉर्ड तोड़ दिया। टीम ने 200+ रनचेज के मामले में 9वीं जीत दर्ज की। इससे पहले भारत की टीम ने 8 बार 200+ रनचेज किया था। ऑस्ट्रेलिया ने 7 और मुंबई इंडियंस ने 6 बार यह कारनामा किया है।

2. पंजाब किंग्स का दूसरा सबसे बड़ा रनचेज

पंजाब किंग्स ने अपना दूसरा सबसे बड़ा रनचेज किया। टीम ने 210 रन का टारगेट 18.4 ओवर में हासिल किया। टीम का सबसे बड़ा रनचेज 262 रन का है। इसे पंजाब ने 2024 में ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हासिल किया था।

3. चेन्नई ने IPL में सबसे ज्यादा 200+ स्कोर बनाए

चेन्नई सुपर किंग्स IPL में सबसे ज्यादा 200+ स्कोर बनाने वाली टीम बन गई। टीम ने अब तक 36 बार 200 का आंकड़ा पार किया है। इसके बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 35 बार इस स्कोर तक पहुंची है।

1. चौका लगाने के बाद संजू आउट

दूसरे ओवर में चेन्नई का पहला विकेट गिरा। ओवर की छठी गेंद जेवियर बार्टलेट ने ऑफ स्टंप के बाहर फेंकी। संजू सैमसन ड्राइव खेलने के लिए पीछे हटे, लेकिन गेंद की मूवमेंट को कवर नहीं कर सके और बल्ले का हल्का किनारा लग गया। गेंद सीधे विकेटकीपर प्रभसिमरन सिंह के पास गई, जिन्होंने आसान कैच लपक लिया। संजू 7 रन बनाकर आउट हुए।

2. आयुष की सिक्स से फिफ्टी

नौवें ओवर में चेन्नई के बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने सिक्स लगाकर अर्धशतक पूरा किया। ओवर की पहली गेंद मार्कस स्टोयनिस ने धीमी फेंकी। म्हात्रे ने आगे बढ़कर शॉट खेला और गेंद को लॉन्ग-ऑफ के ऊपर से सिक्स के लिए भेज दिया।

3. म्हात्रे का वैशाख और शशांक से कैच छूटा

मिडिल ओवर्स में चेन्नई के बल्लेबाज आयुष म्हात्रे को दो बड़े जीवनदान मिले। 10वें ओवर की दूसरी गेंद पर युजवेंद्र चहल ने लेग ब्रेक डाली, जिस पर म्हात्रे स्लॉग स्वीप खेलने गए, लेकिन गेंद बल्ले के ऊपरी किनारे से लगकर हवा में चली गई। वैशाख आगे दौड़ते हुए पहुंचे, डाइव भी लगाई, लेकिन गेंद हाथ में आने के बाद छिटक गई और कैच छूट गया।

इसके बाद 12वें ओवर की चौथी गेंद पर चहल ने फिर मौका बनाया। उन्होंने गेंद को फ्लाइट देकर बल्लेबाज को बड़ा शॉट खेलने के लिए ललचाया। म्हात्रे आगे बढ़कर शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद टर्न होकर बल्ले का किनारा लेती हुई एक्स्ट्रा कवर की ओर गई। शशांक दौड़ते हुए आए, स्लाइड करते हुए दोनों हाथों से कैच पकड़ने की कोशिश की, लेकिन गेंद हाथ से निकल गई। इस तरह म्हात्रे को लगातार दूसरा जीवनदान मिला।

4. पंजाब के रिव्यू से कार्तिक आउट

14वें ओवर में चेन्नई ने चौथा विकेट गंवाया। ओवर की चौथी बॉल मार्को यानसन ने गुड लेंथ पर इन स्विंगर फेंकी। गेंद कार्तिक शर्मा के पैड्स पर लगी। ने स्व्ब्ब की अपील की, लेकिन अंपायर ने आउट नहीं दिया। कप्तान श्रेयस अय्यर ने रिव्यू लिया, रिप्ले में कार्तिक आउट नजर आए। वे 1 रन ही बना सके।

5. सरफराज ने अर्शदीप पर हैट्रिक चौके लगाए

14वें ओवर में सरफराज खान ने अर्शदीप सिंह पर लगातार तीन चौके जड़ दिए। ओवर की दूसरी गेंद पर सरफराज ने आगे बढ़कर जगह बनाई और मिड-ऑफ के ऊपर से शानदार शॉट खेलते हुए चौका बटोर लिया।

उत्तराखंड की बेटी ने जापान में जीता ब्रॉन्ज मेडल: फटे जूतों की कहानी सुन क्रिकेटर स्नेह राणा ने दिए नए स्पाइक्स, बोलीं- हमेशा साथ निभाऊंगी

देहरादून। क्रिकेटर स्नेह राणा ने एथलीट सोनिया को स्पोर्ट्स किट दी।

रुड़की के एक छोटे से गांव की रहने वाली एथलीट सोनिया ने जापान के फुकुओका में हुई 18वीं एशियन क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर देश का नाम रोशन किया है। बेहद साधारण परिवार से आने वाली सोनिया का यह सफर संघर्षों से भरा रहा, जहां संसाधनों की कमी हर कदम पर चुनौती बनकर सामने आई।

बीते दिन इस संघर्ष और उपलब्धि की कहानी जब भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार ऑलराउंडर स्नेह राणा तक पहुंची, तो उन्होंने सोनिया को देहरादून स्थित अपने स्पोर्ट्स स्ट्राइव टर्फ पर बुलाया। यहां उन्होंने सोनिया को प्रोफेशनल स्पोर्ट्स शूज और बेहतर न्यूट्रिशन सपोर्ट देकर न सिर्फ मदद की, बल्कि ताउम्र साथ निभाने का भरोसा भी दिया।

सोनिया के लिए यह पल भावुक कर देने वाला था। फटे जूतों में दौड़कर मेडल जीतने वाली यह एथलीट जब नए स्पाइक्स हाथ में लिए खड़ी थी, तो उसकी आंखों में सिर्फ आंसू ही नहीं, बल्कि आगे बढ़ने का नया आत्मविश्वास भी साफ दिखाई दे रहा था।

टर्फ पर मिला साथ, भावुक हो गई सोनिया

देहरादून के सिनोला स्थित टर्फ पर जब सोनिया पहुंचीं, तो उन्हें शायद अंदाजा भी नहीं था कि उनके लिए क्या इंतजार कर रहा है। स्नेह राणा ने उन्हें गले लगाया, हालचाल पूछा और फिर उन्हें प्रोफेशनल स्पोर्ट्स शूज और न्यूट्रिशन सपोर्ट सौंपा।

यह वही चीजें थीं, जिनकी कमी सोनिया को सालों से महसूस होती रही थी।

सीजन 5 के लिए ट्रॉफी- कबड्डी किट आई सामने, हुआ अनाावरण

शेखर सराफ स्पोर्ट्स ग्राउंड पर पांच अप्रैल से अलीगढ़ कबड्डी लीग (सीजन-5) का भव्य आगाज होगा। तीन दिन तक चलने वाले इस लीग का फाइनल मुकाबला 7 अप्रैल को खेला जाएगा। लीग में आई टीमों के कुल 96 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। अलीगढ़ के आगरा रोड स्थित शेखर सराफ हॉस्पिटल के सभागार में 3 अप्रैल को अलीगढ़ कबड्डी लीग सीजन-5 के तहत ट्रॉफी एवं कबड्डी किट का भव्य अनावरण किया गया। इस अवसर पर लीग से जुड़ी सभी टीमों के मालिकों की मौजूदगी ने कार्यक्रम को खास बना दिया। अनावरण समारोह में पेश की गई ट्रॉफी अपनी आकर्षक डिजाइन और भव्यता के कारण सभी के बीच चर्चा का केंद्र रही। वहीं खिलाड़ियों के लिए तैयार की गई रंग-बिरंगी कबड्डी किट को भी लोगों ने खूब सराहा। कार्यक्रम में माहेश्वरी सुपर किंग्स के संजय महेश्वरी, दरबार वॉरियर्स के वरुण मल्होत्रा, आभा ग्रैंड के अखिल गुप्ता, छर्रा लायंस के नवनीत महेश्वरी, कृष्णम फैब्रिकेशन के सुमित अग्रवाल, संतसार वॉरियर्स के मयंक गुप्ता, सासनी अक्रूर सेना के गोपाल वार्ष्णेय और राधे वेदा अकादमी के नीरज कुमार सहित अन्य टीम मालिक उपस्थित रहे। इस मौके पर सुमित सराफ ने कहा कि इस तरह के आयोजन खिलाड़ियों को बेहतर मंच प्रदान करते हैं। खेल संस्कृति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भारत के तीन पदक पक्के, निकहत-प्रिया और प्रीति सेमीफाइनल में पहुंचीं

स्पोर्ट्स डेस्क। एशियाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 के पांचवें दिन निकहत जरीन, प्रिया और प्रीति पवार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह बना ली।

भारत ने एशियाई बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में तीन पदक पक्के कर लिए हैं। शुक्रवार को पांचवें दिन निकहत जरीन, प्रिया और प्रीति पवार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत के साथ सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली है। निकहत का शानदार प्रदर्शन निकहत ने महिलाओं के 51 किलोग्राम वर्ग के क्वार्टर फाइनल में पूरी तरह से दबदबा बनाए रखा। उन्होंने पहले ही राउंड में आरएससी (रेफरी स्टॉप्स कॉन्टेस्ट) के आधार पर शियान बागुहिन को हराकर जीत हासिल की। अब सेमीफाइनल में उनका सामना चीन की वू यू से होगा, जो पेरिस 2024 ओलंपिक की गोल्ड मेडलिस्ट हैं। यह निखत के लिए अब तक की सबसे कठिन चुनौती होगी।

प्रिया और प्रीति भी चमकीं

महिलाओं के 60 किलोग्राम वर्ग में प्रिया ने धैर्य और रणनीतिक सूझबूझ का परिचय देते हुए चीन की चेंग्यू यांग को 4-1 से हराया। इस जीत के साथ उन्होंने टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। फाइनल में जगह बनाने के लिए अब उनका मुकाबला मंगोलिया की नामून मोंखोर से होगा। वहीं, महिलाओं के 54 किलोग्राम वर्ग में वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स की गोल्ड मेडलिस्ट प्रीति पवार ने दिन का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने मंगोलिया की मुगुंटसेतसेग को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराकर शानदार जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में प्रीति का सामना एक बेहद मजबूत प्रतिद्वंद्वी कोरिया की इम एजी से होगा। इम एजी पेरिस 2024 ओलंपिक और 2025 में खेली गई वर्ल्ड चैंपियनशिप की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट हैं। यह सेमीफाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है।

दीपक क्वार्टर फाइनल से बाहर हु पुरुषों के 70 किलोग्राम वर्ग में दीपक क्वार्टर फाइनल में जॉर्डन के जियाद ईशाश से 1-4 से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

13 महीने बाद रिंग में लौट रहीं चैम्पियन लॉरेन प्राइस : कहा- पैसा कमाना, बॉक्सिंग में विरासत बनाना लक्ष्य

लंदन। 31 वर्षीय लॉरेन 4 अप्रैल के इस मैच के बाद 30 मई को बचपन की दोस्त कार्ला से शादी करेंगी। - प्रतीकात्मक फोटो

आईबीएफ और डब्ल्यूबीसी वेल्टरवेट चैम्पियन वेल्स की लॉरेन प्राइस 13 महीनों के इंतजार के बाद बॉक्सिंग रिंग में वापसी कर रही हैं। टोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाली लॉरेन ने पिछले साल मार्च में नताशा जोनस को हराकर अपनी बादशाहत साबित की थी। लेकिन उसके बाद से उन्हें रिंग में उतरने का मौका नहीं मिला। अब शनिवार को वे प्यूर्टो रिको की अजेय बॉक्सर स्टेफनी पिनेइरो एक्विनो के खिलाफ अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगी।

इतने लंबे समय तक रिंग से दूर रहने के पीछे के कारणों पर लॉरेन ने बॉक्सिंग के अंदरूनी खेल और राजनीति को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, 'बाहर के लोगों को यह आसानी से समझ नहीं आता। लेकिन अक्सर यह आपके प्रमोटर, पैसों और कॉन्ट्रैक्ट की उलझनों पर निर्भर करता है। जब आप चैम्पियन बन जाते हैं, तो सामने वाले बॉक्सर बहुत ज्यादा पैसों की मांग करते हैं, जिससे मैच तय होने में समय लगता है।' लॉरेन का सफर उनके प्रमोटर 'बॉक्सर' की वित्तीय परेशानियों और कॉन्ट्रैक्ट के मुद्दों के कारण अटका हुआ था। इस दौरान उनके ट्रेनर रॉब मैक्रैकन ने उन्हें संभाला। लॉरेन का साफ कहना है कि वह बॉक्सिंग से जितना हो सके उतना पैसा कमाना चाहती हैं और अपने देश वेल्स में खास विरासत बनाना चाहती हैं।

31 वर्षीय लॉरेन की निजी जिंदगी में भी खुशियां दस्तक देने वाली हैं। 4 अप्रैल के इस मैच के बाद, वे 30 मई को बचपन की दोस्त कार्ला से शादी करेंगी। उन्होंने पिछले साल ही सगाई की थी। कार्ला बुजुर्गों की देखभाल से जुड़ा अपना एक बिजनेस चलाती हैं और बॉक्सिंग की दुनिया से उनका कोई लेना-देना नहीं है। लॉरेन कहती हैं कि इससे उन्हें बहुत सुकून मिलता है क्योंकि घर लौटने पर हर वक्त सिर्फ बॉक्सिंग की बातें नहीं होतीं। लॉरेन की सफलता का सफर आसान नहीं रहा है। जब वह सिर्फ तीन दिन की थीं, तब शराब की लत के शिकार उनके माता-पिता ने उन्हें छोड़ दिया था। उन्हें उनके दादा-दादी ने गोद लिया।

ऋषिकेश में बनेगा दिव्यांगों के लिए हाईटेक इंडोर बैडमिंटन हॉल:62.67 लाख का फंड मंजूर

न्यूज डेस्क। बेंगलुरु में आयोजित चौथी राष्ट्रीय पैरा ताइक्वांडो चैंपियनशिप में गुनिका शर्मा ने स्वर्ण पदक जीतकर प्रदेश का मान बढ़ाया है। बचपन में ब्रेन ट्यूमर जैसी गंभीर बीमारी को मात देने वाली गुनिका अब एशियन स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

संघर्षों को हराकर रचा इतिहास

गुनिका की सफलता की कहानी केवल खेल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनके जीवन के कड़े संघर्षों की भी गवाह है। मात्र तीन वर्ष की आयु में वे मेड्युलोब्लास्टोमा नामक ब्रेन ट्यूमर जैसी घातक बीमारी की चपेट में आ गई थीं। वर्ष 2009 का वह समय उनके और उनके परिवार के लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण था जब उनके बचने की संभावना बहुत ही कम बताई जा रही थी। हालांकि अपनी मजबूत इच्छाशक्ति के बल पर उन्होंने न केवल उस बीमारी को मात दी बल्कि 55 प्रतिशत शारीरिक अक्षमता और पूर्ण हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी जैसी बाधाओं के बावजूद खुद को एक बेहतरीन एथलीट के रूप में स्थापित किया।

तकनीक और एकाग्रता का शानदार तालमेल

राष्ट्रीय चैंपियनशिप के पी-35 (पूमसे) इवेंट में गुनिका ने अपनी तकनीक, शरीर के संतुलन और एकाग्रता का जो नमूना पेश किया उसने वहां मौजूद निर्णायकों को अचंभित कर दिया। द मिलेनियम स्कूल इंदौर की पूर्व छात्रा रहीं गुनिका ने अपनी रीढ़ की हड्डी की विकृति को अपनी प्रगति के आड़े नहीं आने दिया। उन्होंने मैट पर जिस सटीकता के साथ अपनी प्रस्तुतियां दीं, उससे यह स्पष्ट हो गया कि उनकी दृढ़ता ने कैंसर जैसी बीमारी को हराने के बाद अब खेल के मैदान में भी जीत का परचम लहरा दिया है। यह जीत उन्हें अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करेगी। इंदौर के खिलाड़ियों का दबदबा इस प्रतियोगिता में इंदौर की एक अन्य अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सपना शर्मा ने भी अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है।

देहरादून में आज से शुरू होगी अंडर-20 स्टेट एथलेटिक्स मीट : महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में होंगे इवेंट

देहरादून। देहरादून के महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में होगी अंडर-20 स्टेट एथलेटिक्स मीट।

उत्तराखंड के युवा और होनहार एथलीट्स के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का बड़ा मंच तैयार है। उत्तराखंड एथलेटिक्स एसोसिएशन के तत्वावधान में 4 और 5 अप्रैल को उत्तराखंड राज्य जूनियर (अंडर-20) एथलेटिक्स मीट का आयोजन होने जा रहा है।

प्रतियोगिता देहरादून के महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में आयोजित होगी। उत्तराखंड एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव केजेएस कलसी ने इस खेल महाकुंभ की जानकारी देते हुए बताया कि दो दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में प्रदेश भर से अंडर-20 आयु वर्ग के लड़के और लड़कियां ट्रैक और फील्ड इवेंट्स में अपना दम-खम दिखाएंगे।

5 अप्रैल: 110 मीटर बाधा दौड़, डिस्कस, पोल वॉल्ट, जेवलिन, 1500 मीटर।

हेप्टाथलॉन (लड़कियों के लिए 7 इवेंट्स):

दिन 1: 100 मीटर बाधा दौड़, ऊंची कूद, शॉट पुट, 200 मीटर।

दिन 2: लंबी कूद, जेवलिन, 800 मीटर।

एथलीट्स के लिए जरूरी निर्देश

आयोजकों ने खिलाड़ियों के लिए कुछ सख्त नियम बनाए हैं, जिनका पालन करना अनिवार्य है। स्पोर्ट्स कॉलेज पहुंचने पर सबसे पहले खिलाड़ियों के दस्तावेजों की जांच होगी। जांच में सफल होने के बाद ही मौके पर बिब नंबर आवंटित किया जाएगा।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

बिजनेस न्यूज

जंग का असर- पाकिस्तानी मंत्रियों को 6 महीने सैलरी नहीं

पाकिस्तान में इजराइल-अमेरिका की ईरान से जंग का असर दिख रहा है। वहां अगले 6 महीने तक मंत्रियों का वेतन रोक दिया गया है। दो दिन पहले पेट्रोल 137 रुपए और डीजल 184 रुपए महंगा किया गया था। हालांकि, देशभर में विरोध हुआ तो शुक्रवार को सरकार ने पेट्रोल 80 रुपए सस्ता कर दिया।

अब पाकिस्तान में पेट्रोल 378 रुपए प्रति लीटर मिलेगा। डीजल बढ़ी हुई कीमत 520.35 रुपए प्रति लीटर पर ही मिलेगा।

कैबिनेट मंत्रियों की 6 महीने की सैलरी रुकी

बढ़ती महंगाई और आर्थिक संकट से निपटने के लिए शहबाज शरीफ ने कड़े उपायों का भी ऐलान किया। उन्होंने कहा कि पहले कैबिनेट मंत्रियों की 2 महीने की सैलरी रोकने का फैसला लिया गया

सोने में आज 4245, चांदी में 12 हजार की गिरावट : ईरान जंग से 34 दिन में सोना 12 हजार सस्ता

नई दिल्ली। अमेरिका-इजराइल की ईरान से चल रही जंग के बीच गुरुवार को भी सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, गुरुवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 4,245 रुपए घटकर 1.47 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले बुधवार को यह 1.51 लाख पर था।

वहीं, एक किलो चांदी 12,023 रुपए घटकर 2.28 लाख रुपए रह गई, जो 25 मार्च को 2.40 लाख रुपए पर थी। अमेरिका-ईरान जंग के कारण सोना 34 दिन में 12,489 और चांदी 38,887 सस्ती हुई है।

अलग-अलग शहरों में सोने के दाम अलग होने की 4 वजहें ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी: एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं।

खरीदारी की मात्रा: दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है। लोकल ज्वेलर्स एसोसिएशन: राज्य और शहर के

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजनाः ससौली-छिरोपारा के ग्रामीणों को मिली सुगम आवागमन की सुविधा

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजनाः ससौली-छिरोपारा के ग्रामीणों को मिली सुगम आवागमन की सुविधा

रायपुर। मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना वनांचल और दूरस्थ क्षेत्रों के ग्रामीणों के लिए आवागमन का सशक्त माध्यम बन रही है। सरगुजा जिले के विकासखंड लुण्ड्रा के ग्राम ससौली और छिरोपारा के निवासियों के लिए अब जिला मुख्यालय अंबिकापुर तक की राह न केवल आसान हुई है, बल्कि उनके समय और श्रम की भी बड़ी बचत हो रही है।

कई किलोमीटर का पैदल सफर अब हुआ समाप्त

ग्राम ससौली छिरोपारा निवासी श्री गिरवर यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के प्रारंभ होने से पहले उन्हें बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता था। मुख्य मार्ग तक पहुंचने के लिए ग्रामीणों को लगभग 8 से 10 किलोमीटर तक पैदल चलकर लुण्ड्रा आना पड़ता था। उन्होंने बताया कि पहले बस पकड़ने के लिए घंटों पैदल चलना पड़ता था। कई बार देरी होने पर बस छूट जाती थी, जिससे पूरा दिन खराब हो जाता और जरूरी काम भी रुक जाते थे। लेकिन जब से 'अंबिकापुर से कोरांधा-उरदरा' मार्ग पर मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा शुरू हुई है, हमारी जिंदगी बदल गई है।'

समय पर काम और सुरक्षित वापसी

योजना के तहत संचालित बस अब सीधे गांव के करीब से होकर गुजर रही है। ग्रामीण अब आसानी से बस में सवार होकर समय पर जिला मुख्यालय पहुंचते हैं, दिनभर अपना काम निपटाते हैं और उसी बस से सुरक्षित अपने घर वापस लौट आते हैं। इस सुविधा ने न केवल आर्थिक रूप से राहत दी है, बल्कि बुजुर्गों, महिलाओं और छात्रों के लिए आवागमन को बेहद सुविधाजनक बना दिया है।

पहुंचविहीन क्षेत्रों को जिला मुख्यालय से जोड़ने की इस सार्थक पहल के लिए क्षेत्र के ग्रामीणों ने खुशी जाहिर की है। ससौली और छिरोपारा के श्री गिरवर यादव ने इस संवेदनशील निर्णय के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

कुसुम की खेती के प्रति बालोद जिले के किसानों में बढ़ा रूझान

रायपुर। सरकार की तिलहन प्रोत्साहन योजनाओं और जिला प्रशासन के नीर चेतना अभियान का सकारात्मक असर अब बालोद के खेतों में दिखने लगा है।

कृषि विभाग के कृषक चौपाल और फसल चक्र परिवर्तन के प्रति जागरूकता अभियान से प्रेरित होकर जिले के किसानों ने पारंपरिक खेती के साथ-साथ तिलहन उत्पादन, विशेषकर कुसुम की खेती की ओर कदम बढ़ाए हैं।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन और प्रशिक्षण का परिणाम है कि बालोद जिले में जिस कुसुम की खेती का रकबा पहले शून्य था, वह इस वर्ष बढ़कर 157 हेक्टेयर तक पहुंच गया है। उन्नत बीजों का चयन, कतार पद्धति से बुआई और संतुलित उर्वरक प्रबंधन के कारण वर्तमान में फसल लाभदायक साबित हुआ है।

स्थानीय किसानों के अनुसार, कुसुम की खेती कई मायनों में फायदेमंद है, कम जल खपत, इसे बहुत ही सीमित सिंचाई की आवश्यकता होती है। यह फसल कम समय में तैयार हो जाती है और लागत भी न्यूनतम आती है। कुसुम की खेती मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने में सहायक मानी जाती है। मौसम अनुकूल रहने पर अच्छी पैदावार से किसानों की आय दोगुनी होने की प्रबल उम्मीद है। घरेलू तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से जिले के सभी विकासखंडों के 37 ग्रामों के 194 कृषकों ने पहली बार नवीन तिलहन फसल के रूप में कुसुम का प्रदर्शन लिया है।

देशभर में बढ़ रही मांग, बेंगलुरु से कारगिल तक पहुंच रहा सुगंधित चावल

रायपुर। रायगढ़ जिले के लैलूंगा क्षेत्र का 'केलो' जैविक जंवाफूल चावल आज अपनी विशिष्ट सुगंध, स्वाद और उत्कृष्ट गुणवत्ता के कारण एक अलग पहचान स्थापित कर चुका है। पारंपरिक रूप से उगाई जाने वाली यह धान की किस्म अब किसानों के लिए आय का मजबूत माध्यम बन रही है। प्रशासन और कृषि विभाग के सहयोग से इस उत्पाद को व्यवस्थित रूप से प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे यह स्थानीय स्तर से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। किसानों द्वारा अपनाई जा रही जैविक पद्धति और बेहतर विपणन व्यवस्था के कारण इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सरकार मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और कृषि मंत्री श्री राम विचार नेताम के मार्गदर्शन में प्रदेश के किसानों का आय दुगुनी करने निरंतर प्रयास कर रही है। सरकार किसानों को सशक्त बनाने में जनहितकारी नीति बनाने के साथ ही किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं इनमें कृषि उन्नति योजना, भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना जैसे योजना शामिल है। इससे प्रदेश के किसान आर्थिक रूप से मजबूत हुए हैं।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जंवाफूल धान की सबसे बड़ी विशेषता इसकी प्राकृतिक सुगंध और स्वाद है, जो लैलूंगा क्षेत्र की विशिष्ट जलवायु में ही पूर्ण रूप से विकसित हो पाती है। यहां की भौगोलिक परिस्थितियां-दिन में पर्याप्त गर्मी और रात में हल्की ठंडक, इस धान की गुणवत्ता को विशेष बनाती हैं। यही कारण है कि इस क्षेत्र में उत्पादित चावल का स्वाद और खुशबू अलग पहचान रखता है और उपभोक्ताओं के बीच इसकी मांग निरंतर बढ़ रही है।

शुगरबीट की किस्म एलएस-6 की खेती एवं गन्ना के साथ अंतफसली पर अनुसंधान प्रारंभ

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में कृषि एवं जैव ईंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। पहली बार राज्य में सफेद चुकंदर (शुगरबीट) के किस्म एलएस-6 की खेती को बढ़ावा देने के साथ-साथ गन्ना की फसल के साथ अंतफसली प्रणाली पर एक संयुक्त अनुसंधान परियोजना प्रारंभ की गई है।

यह परियोजना छत्तीसगढ़ जैव ईंधन विकास प्राधिकरण, रायपुर द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ एवं राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के संयुक्त सहयोग से संचालित की जा रही है। इस कार्यक्रम में डॉ सीमा परोहा निदेशक, डॉ लोकेश बाबर, सहायक आचार्य (कृषि रसायन), राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर एवं श्री सुमित सरकार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, श्री संतोष कुमार मैत्री, सहायक परियोजना अधिकारी, छत्तीसगढ़ जैव ईंधन प्राधिकरण, रायपुर, द्वारा सयुंक्त रूप से कार्य किया जा रहा है।

उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना का उद्देश्य सफेद चुकंदर से बायो-एथेनॉल उत्पादन की संभावनाओं, उसकी आर्थिक व्यवहार्यता तथा किसानों के लिए अतिरिक्त आय के स्रोत विकसित करना है। साथ ही, गन्ना के साथ शुगरबीट की अंतफसली प्रणाली के माध्यम से एक ही भूमि पर दो फसलों का उत्पादन कर किसानों की आय बढ़ाने की संभावनाओं का अध्ययन किया जा रहा है।

गन्ना एक दीर्घकालीन फसल है, जिसकी प्रारंभिक अवस्था में खेत का कुछ हिस्सा खाली रहता है। इस खाली स्थान का उपयोग सफ़ेद चुकुन्दर जैसी अल्पकालीन फसल (6 माह) के लिए किया जा सकता है, जिससे किसानों को गन्ने के साथ अतिरिक्त आय अर्जित करने का अवसर मिलेगा।

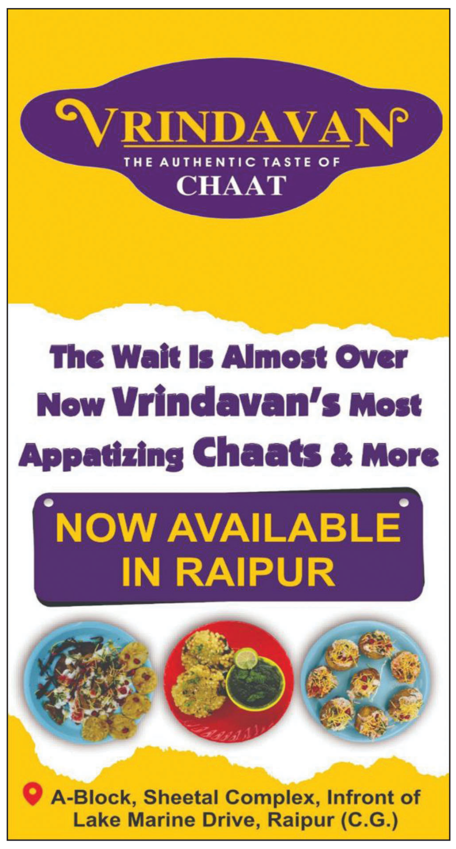

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करण सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684